17 जुलाई 2025
बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

बक्सर में चेतावनी बिंदू के करीब पहुंची गंगा, तटीय इलाकों में फैलने लगा पानी

2

आकाश प्राइम एयर डिफेंस सिस्टम का सफल परीक्षण, ऑपरेशन सिंदूर में निभायी थी अहम भूमिका

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय सेना ने लद्दाख में 15,000 फीट ऊंचाई पर स्वदेशी आकाश प्राइम एयर डिफेंस सिस्टम का सफल परीक्षण किया है। यह प्रणाली ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के ड्रोन और हवाई हमलों को रोकने में कारगर साबित हुई है।

आकाश प्राइम अब सेना की वायु सुरक्षा की तीसरी और चौथी रेजिमेंट का हिस्सा बनेगा, जो कई दिशाओं से आने वाले लक्ष्यों को निशाना बनाने में सक्षम है।भारतीय सेना ने बुधवार को स्वदेशी रूप से विकसित किए गए आकाश प्राइम एयर डिफेंस सिस्टम का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण लद्दाख क्षेत्र में 15,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर किया गया। यह परीक्षण सेना ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किया, जिन्होंने इस प्रणाली को विकसित किया है। परीक्षण के दौरान सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों ने बहुत तेज गति से उड़ रहे हवाई लक्ष्यों पर सीधा प्रहार किया। यह परीक्षण बहुत अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्र में किया गया। आकाश प्राइम सिस्टम अब भारतीय सेना की हवाई सुरक्षा की तीसरी और चौथी यूनिट (रेजिमेंट) का हिस्सा बनेगा। इसका मतलब है कि अब यह नई प्रणाली सेना की और दो टुकड़ियों में शामिल की जाएगी ताकि दुश्मन के हवाई हमलों से और बेहतर तरीके से रक्षा की जा सके। **ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मददगार साबित हुआ आकाश एयर डिफेंस सिस्टम :** रक्षा अधिकारियों के अनुसार, इस प्रणाली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था।

उस समय पाकिस्तान की सेना द्वारा चीनी विमानों और तुर्किये के ड्रोन से किए गए हवाई हमलों को इस प्रणाली ने सफलतापूर्वक नाकाम किया था। आकाश प्राइम सिस्टम भारत की रक्षा तकनीक में आत्मनिर्भर बनने की बड़ी कोशिश का हिस्सा है, खासकर वायु सुरक्षा जैसे अहम क्षेत्र में। अधिकारियों ने बताया कि स्वदेशी रूप से विकसित आकाश सतह से हवा में मार करने वाला मिसाइल सिस्टम पाकिस्तान की तरफ से पश्चिमी सीमा और जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर किए गए कई ड्रोन हमलों को रोकने में बहुत मददगार साबित हुआ है। कई दिशाओं में लक्ष्यों को निशाना बना सकती है यह प्रणाली।

♦ रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की देखरेख में लद्दाख क्षेत्र में 15,000 फीट पर हुआ सफल परीक्षण

भारत की वायु सुरक्षा प्रणाली हुई और भी मजबूत

स्वदेशी आकाश एयर डिफेंस सिस्टम एक मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है, जिसे हवाई खतरों से सुरक्षा देने के लिए बनाया गया है। यह प्रणाली सैन्य टुकड़ियों और उनके ठिकानों की रक्षा कर सकती है। इसमें आधुनिक रियल-टाइम मल्टी-सेंसर डाटा प्रोसेसिंग और खतरे का मूल्यांकन करने की क्षमता है, जिससे यह एक ही समय में कई दिशाओं से आने वाले कई लक्ष्यों को पहचान कर उन पर हमला कर सकती है। भारतीय सेना और वायु सेना दोनों ने इस आकाश प्रणाली को पाकिस्तान सीमा के पास बड़े पैमाने पर तैनात किया है, जिससे भारत की वायु सुरक्षा प्रणाली और मजबूत हुई है। यह सिस्टम भारतीय सेना की वायु रक्षा रणनीति का एक अहम हिस्सा है जो इसे सीमावर्ती क्षेत्रों में हवाई हमलों से सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम बनाती है। आकाश प्राइम की खासियत इसकी तेजी से चलने वाले लक्ष्यों को ट्रैक करने और नष्ट करने की क्षमता है जो इसे आधुनिक युद्ध के लिए महत्वपूर्ण हथियार बनाती है।

पिथौरागढ़ के मुवानी और बोकटा के बीच स्थित सोनी पुल के पास हुआ हादसा

उत्तराखंड में खाई में गिरी मैक्स जीप, बच्ची समेत 8 की दर्दनाक मौत, 5 जख्मी

♦ जीप अचानक अनियंत्रित होकर 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी

एजेंसी/पिथौरागढ़

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में मुवानी से बोकटा जा रही एक मैक्स जीप 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में बच्ची और 4 महिलाओं समेत 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 घायल हैं। मुवानी से बोकटा जा रही एक मैक्स जीप अचानक अनियंत्रित होकर 150 मीटर गहरी खाई में जा गिरी और सीधा नदी में समा गई। इस दर्दनाक हादसे में मौके पर ही 8 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक स्कूली बच्ची और 4 महिलाएं भी शामिल हैं। जीप में कुल 13 लोग सवार थे। हादसे में 5 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें से तीन की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। हादसा सोनी पुल के पास, गाड़ी बेकाबू होकर खाई में जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पिथौरागढ़ के मुवानी और बोकटा के बीच स्थित सोनी पुल के पास हुआ। जीप यात्रियों को लेकर बोकटा की ओर जा रही थी, लेकिन कुछ ही दूरी पर अचानक ड्राइवर का नियंत्रण वाहन से हट गया। देखते ही देखते जीप 150 मीटर गहरी खाई में गिरती चली गई और नीचे नदी में जा गिरी।

जीप के गिरने की आवाज सुनकर आस-पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। हादसा इतना भयानक था कि जीप के परखच्चे उड़ गए और हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया। पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और अन्य राहत-बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। नदी से 8 शव निकाले गए, जबकि 5 घायलों को रस्सियों की मदद से ऊपर खींचकर पास के मुवानी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। पुलिस को घटनास्थल से कुछ दस्तावेज मिले हैं जिनके आधार पर मृतकों की पहचान की जा रही है। सभी मृतक और घायल बोकटा क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। कुमाऊं मंडल के कमिश्नर दीपक रावत ने जानकारी दी कि जैसे ही हादसे की खबर मिली, राहत-बचाव दल को तुरंत मौके पर भेजा गया। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन और अफ्ळड की टीमें राहत कार्य में जुटी हैं। एसएसपी रेखा यादव ने बताया कि गाड़ी मुवानी से बोकटा जा रही थी और तेज मोड़ पर नियंत्रण बिगड़ने की वजह से यह दर्दनाक हादसा हुआ। फिलहाल हादसे की असली वजह सामने नहीं आ पाई है। प्रशासन का कहना है कि तकनीकी खामी, ड्राइवर की गलती या सड़क की खराब हालत किसी भी कारण को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। इसकी विस्तृत जांच की जा रही है। घायलों का प्राथमिक इलाज जारी है। इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया जा सकता है।

नालंदा जिला में ठनका गिरने से 5 की मौत

नालंदा। बिहार के नालंदा जिला में ठनका गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में महिला और बुजुर्ग भी शामिल है। बुधवार की सुबह से ही झमाझम बारिश हो रही है।बिहार के नालंदा जिला में बुधवार को हुए वज्रपात में पांच लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिला, किशोर और बुजुर्ग भी शामिल हैं। सुबह से ही जिला के अधिकांश जिला में बारिश हो रही है। इसी क्रम में जिला के अलग अलग थाना क्षेत्र में ठनका गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई।पहली घटना जिला के नगरनौसा थाना क्षेत्र के मखदुमपुर गांव में धान रोपनी कर रही महिला के ऊपर ठनका गिरने से उसकी खेत में ही मौत हो गई।मरने वाली की पहचना गांव के ही कपिल पंडित की 47 साल की पत्नी सीमा कुमारी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार गांव के ही इजारा खंधा में सीमा धान की रोपनी कर रही थी। दोपहर बाद बारिश हुई और फिर ठनका गिरा, जिससे उनकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष शशिरंजन मिश्रा ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के हवाले कर दिया गया है।अस्पताल ले जाने के दौरान हुई मौतनालंदा जिला के ही वेना थाना क्षेत्र के गिरधरचक गांव में ठनका गिरने से 55 साल के रणधीर कुमार उर्फ गब्बर सिंह की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार ठनका गिरने से वे बुरी तरह से झुलस गए थे। आनन फानन में परिवार के लोगों ने उन्हें पावापुरी में अस्पताल लेकर जा रहे थे। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस शव के पोस्टमार्टम के परिवार के लोगों को सौंप दिया है।

बोले राहुल... असम सीएम सबसे भ्रष्ट

एजेंसी/कामरूप

चुनाव आयोग सिर्फ भाजपा की सुन रहालोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी असम दौर परे हैं। बुधवार को उन्होंने कामरूप जिले के छायगांव में रैली की। उन्होंने कहा- हिमंत बिस्वा सरमा खुद को असम का मुख्यमंत्री नहीं, राजा समझते हैं। उन्होंने कहा- हिमंत बिस्व सरमा सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। किसी दिन उन्हें इसका हिसाब देना होगा। कुछ ही समय में कांग्रेस के बब्बर शेर उन्हें जेल पहुंचाएंगे। इसका डर उनकी आंखों में साफ दिख रहा है, क्योंकि अब न मोदी और न ही शाह उन्हें बचा पाएंगे। राहुल ने कहा कि कांग्रेस अगले साल असम में होने वाले विधानसभा चुनाव में भारी जीत हासिल करेगी। सांसद गौरव गोगोई की लीडरशिप में राज्य में कांग्रेस की नई टीम है, जो रिजल्ट देगी।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- देश की सबसे पुरानी पार्टी (कांग्रेस) को अपना सदस्य उधार देना पड़ा, ताकि भाजपा राज्य में सरकार बना सके। जो व्यक्ति कांग्रेस छोड़कर भाग गया था, वह अब असम का मुख्यमंत्री है। हिमंत बिस्व सरमा 2015 में भाजपा में शामिल होने से पहले असम की कांग्रेस सरकार में मंत्री थे। खड़गे ने कहा कि भाजपा ने असम में जिन लोगों ने लोगों के साथ अन्याय किया है, उन्हें जेल भेजा जाएगा। उन्हें अब जेलों की मरम्मत करवानी चाहिए, क्योंकि उन्हें वहीं रहना होगा। असम में लोगों को अवैध प्रवासियों का पता लगाने की आड़ में धमकाया जा रहा है। अगले साल होने वाले चुनाव में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को सबक सिखाया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुलाई इमरजेंसी बैठक

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में डेंगू के बढ़ते मामलों को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक इमरजेंसी बैठक बुलाई। इस बैठक में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने पर विस्तार से चर्चा की गई। सीएम ने फॉगिंग अभियान को तय समय से पहले शुरू करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में यह भी बताया गया कि अब तक लगभग 5 लाख घरों में फॉगिंग की जा चुकी है। साथ ही 71 हजार घरों में मच्छर के लार्वा पाए जाने पर उसे नष्ट किया गया है। इसके अतिरिक्त, बायोलॉजिकल कंट्रोल के तहत 279 स्थानों पर लावीवीरस मछलियां छोड़ी गई हैं ताकि मच्छरों के प्रजनन को रोका जा सके।

कैमूर में सर्पदंश से सात की मौत

कैमूर। कैमूर जिले में बारिश का सीजन आते ही सर्पदंश की घटनाएं बढ़ने लगती है। बुधवार को एक ही दिन सांप के काटने से अक्रांत हो गये. इसमें 14 वर्षीय किशोर व किशोरी सहित सात लोगों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। सर्पदंश के शिकार लोगों में नेवरास गांव निवासी प्रिंस कुमार, भगवानपुर थानाक्षेत्र के अवसान गांव निवासी कोमल सिंह की बेटी 14 वषीर्या खुशी कुमारी, रूपपुर गांव निवासी शिववचन सिंह, नुआंव निवासी अंकित सिंह, विशनपुरा गांव निवासी जितेंद्र सिंह, शहर के वार्ड संख्या 14 निवासी रजनीश रावत और भभुआ थाना क्षेत्र के कबार गांव की रहनेवाली शंभू पासवान की पत्नी सरिता देवी की हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. दरअसल हर साल बरसात के मौसम में सांप और बिच्छुओं सहित अन्य जहरीले कीटों का हमला इंसानों पर होता ही रहता है। शहरी इलाकों में सांप और बिच्छू भले ही कम निकलते हों, लेकिन, सांप, बिच्छु सहित अन्य कीट कैमूर जिले के पहाड़ी जंगली व ग्रामीण इलाकों में सांपों के बिल मानव बस्तियों के आसपास होते हैं। इसलिए यहां सर्पदंश का सबसे अधिक हमला भी उन्हीं पर होता है। इसके अलावा बारिश के दिनों में सांप, बिच्छू से लेकर तमाम जहरीले जीव-जंतु सक्रिय हो जाते हैं। बरसात के इस मौसम में सावधानी बरतने की. दरअसल, बारिश के महीनों में पानी भरने के चलते चूहे बिलों से बाहर निकल आते हैं।

यूपी में मुखौटा आईटी कंपनियों पर रेड, 135 बैंक खाते फ्रीज, 391 करोड़ जब्त

एजेंसी/लखनऊ

प्रवर्तन निदेशालय, क्षेत्रीय कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के प्रावधानों के तहत यूपी के नोएडा और लखनऊ स्थित तीन संदिग्ध मुखौटा कंपनियों - मेसर्स किंडेंट बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स रैनेट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स मूल बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के परिसरों पर ईडी ने रेड की है। तलाशी अभियान के दौरान बरामद साक्ष्यों और विभिन्न बैंकों से प्राप्त पुष्टियों के आधार पर, ईडी ने इन संस्थाओं से जुड़े 135 बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। चल रही जांच के तहत कुल 204 करोड़ रुपये की अपराध आय को भी फ्रीज कर दिया गया है। यह जब्ती फरवरी 2025 से चल रही पिछली तलाशियों के क्रम में है। तब कुल 52 बैंक खातों को फ्रीज किया गया था, जिनकी कुल पीओसी 187 करोड़ रुपये थी। अब तक 391 करोड़ रुपये की पीओसी फ्रीज की जा चुकी है। इन कंपनियों का संचालन नकली निदेशकों द्वारा किया जा रहा है। ये कंपनियां आरबीआई द्वारा विनियमित हुए बिना बिल भुगतान समाधान, यूपीआई एप्लिकेशन और इसी तरह की सेवाएं प्रदान करने वाली आईटी फर्मों के रूप में प्रस्तुत हो रही हैं।

बंगालियों से भेदभाव पर ममता का पैदल मार्च

एजेंसी/कोलकता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को भाजपा शासित राज्यों में बंगाली बोलने वाले लोगों के साथ हो रहे कथित उत्पीड़न के खिलाफ विरोध मार्च निकाला। ममता ने कहा कि बंगालियों के प्रति भाजपा के रवैये से मैं शर्मिंदा और निराश हूं। अब से मैंने तय किया है कि मैं बांग्ला में ज्यादा बोलूंगी। अगर आप मुझे डिटेंशन कैंप में रखना चाहते हैं तो रखें। यह रैली कोलकाता के कॉलेज स्क्वायर से धर्मतला के दोरीना क्रॉसिंग तक निकाली गई। इसमें अभिषेक बनर्जी समेत पार्टी के कई बड़े नेता इस रैली में शामिल हुए। कोलकाता के अलावा पार्टी ने राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में भी इसी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया। यह ऐसे समय पर हो रहा है, जब पीएम मोदी राज्य के दौरे पर आने वाले हैं। सीएम ममता ने कहा कि मैं आपको (बीजेपी) चैलेंज करती हूं कि साबित कीजिए कि बांग्ला बोलने वाले प्रवासी लोग रोहिंग्या मुसलमान हैं। बंगाल के 22 लाख प्रवासी श्रमिक देश के अन्य हिस्सों में काम कर रहे हैं, उनके पास वैध पहचान दस्तावेज हैं। मैं बंगालियों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं करूंगी। भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को बांग्लादेशी और विदेशी कहकर प्रताड़ित और जेल और डिटेंशन कैंप में भेजा जा रहा है।

24,000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष के परिव्यय होगा पीएम धन-धान्य कृषि योजना पर

पीएम धन-धान्य कृषि योजना को मोदी कैबिनेट ने दी मंजूरी

एजेंसी/नई दिल्ली

मोदी सरकार ने किसानों को तोहफा दिया है, सरकार ने किसानों से जुड़ी एक और योजना को मंजूरी दी है, इस योजना का नाम है पीएम धन-धान्य कृषि योजना रखा गया है। केंद्रीय कैबिनेट ने 36 योजनाओं को मिलाकर 24,000 करोड़ रुपये प्रति वर्ष के परिव्यय वाली प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दे दी। इससे 1.7 करोड़ किसानों को फायदा पहुंचेगा और उनकी फसल प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट में लिए गए निर्णय की जानकारी साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना फसल कटाई के बाद भंडारण क्षमता बढ़ाएगी, सिंचाई सुविधाओं में सुधार करेगी और कृषि उत्पादकता को बढ़ाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि हर राज्य से कम से कम एक जिले को इस योजना में शामिल किया जाएगा।

योजना के बारे में बताते हुए अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट ने बुधवार को छह साल की अवधि के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना पूरे भारत में 100 जिले कवर किये जायेंगे। इसके तहत 100 कृषि जिले डेवलप किए जाएंगे, उन जिलों का चुनाव किया जायेगा जिनमें कम कृषि प्रोडक्टिविटी, मध्यम फसल घनत्व और कमजोर ऋण पहुंच देखा गया।मोदी कैबिनेट ने बुधवार को हुई बैठक में फैसला लेते हुए एनएलसी इंडिया को अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई एनआईआरएल में 7,000 करोड़ रुपये निवेश करने की अनुमति दे दी। आर्थिक मामलों की मंत्रि मंडलीय समिति ने एनएलसी इंडिया लिमिटेड को नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (सीपीएसई) पर लागू मौजूदा निवेश दिशानिर्देशों से विशेष छूट देने को मंजूरी दे दी है।

नप की मनमानी से भड़के ग्रामीण, मझवारी मोड़ पर कचरा डंपिंग को लेकर विरोध तेज

♦ एनजीटी के नियमों की उड़ रही धज्जियां, गांवों की स्वच्छता पर खतरा

केटी न्यूज/सिमरी

डुमरांव नगर परिषद के स्वच्छता अभियान की मनमानी अब गांवों के लिए सिरदर्द बनती जा रही है। शहर का कूड़ा अब ग्रामीण इलाकों में डंप किया जा रहा है, जिससे न केवल स्थानीय पर्यावरण को खतरा है बल्कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के दिशा-निर्देशों का भी खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। ताजा मामला भोजपुर-सिमरी पथ स्थित मझवारी मोड़ का है, जहां नगर परिषद के सफाईकर्मियों द्वारा पिछले कई दिनों से कचरा फेंका जा रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि शहर से उठाए गए डोर-टू-डोर कचरे को सुनियोजित तरीके से निस्तारित करने के बजाय उसे गांव के सटे क्षेत्र में, सड़क किनारे डाल दिया जाता है। इससे न केवल दुर्गंध फैल रही है बल्कि आसपास के जल स्त्रोत भी प्रदूषित हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार यह स्थान भोजपुर ताल क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जो कि सार्वजनिक संपत्ति है। एन जी टी के नियमों के अनुसार किसी भी जलस्त्रोत या सार्वजनिक स्थल के पास कचरा डंप करना प्रतिबंधित है, बावजूद इसके नगर परिषद के सफाईकर्मी लगातार नियमों को ठेंगा दिखा रहे हैं।बुधवार को ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा जब कचरे से भरी एक गाड़ी फिर से उक्त स्थल पर पहुंची।

गुस्साए ग्रामीणों ने न सिर्फ कचरा गिराने से मना किया बल्कि वाहन को बैरंग लौटा दिया। पुलिस ने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत किया, लेकिन ग्रामीणों ने साफ शब्दों में कहा कि यदि दुबारा यहां कचरा डंप करने की कोशिश हुई, तो वे भोजपुर-सिमरी मुख्य पथ को जाम कर देंगे। ग्रामीणों ने नगर परिषद और उसके द्वारा अधिकृत सफाई एजेंसी पर फजीवाड़े का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सफाईकर्मी जब भी रोका जाता है, वे झगड़े पर उतर आते हैं और दावा करते हैं कि उन्होंने यह जमीन लीज पर ली है, लेकिन कोई वैध दस्तावेज अब तक नहीं दिखाया गया है।

इस पूरे घटनाक्रम को लेकर ग्रामीण अब सिमरी के सीओ और बीडीओ से मिलकर लिखित शिकायत देने की तैयारी में हैं। उनका कहना है कि यदि प्रशासन इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं देता है, तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। सवाल उठता है कि आखिर नगर परिषद अपने ही क्षेत्र में कचरा डंप क्यों नहीं करती? क्या ग्रामीण क्षेत्रों को डंपिंग यार्ड समझ लिया गया है? यह मामला न केवल पर्यावरणीय संतुलन का है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और नागरिक अधिकारों के हनन का भी है।

एक नजर

जन सुराज पार्टी द्वारा चौसा में आयोजित किया गया बिहार बदलाव सभा का आयोजन

बक्सर। चौसा नगर पंचायत अंतर्गत रामलीला मंच पर जन सुराज पार्टी के तत्वावधान में जन संवाद बिहार बदलाव सभा का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों की भारी भागीदारी रही और भारी संख्या में महिलाओं, युवाओं, किसानों व व्यापारियों की सक्रिय उपस्थिति ने आयोजन को जनआंदोलन का स्वरूप दिया।सभा की शुरूआत जन सुराज के संकल्प गीत से हुई, जिसके बाद वक्ताओं ने पार्टी के पांच प्रमुख संकल्पों के माध्यम से एक न्यायसंगत, आत्मनिर्भर और विकसित बिहार की परिकल्पना प्रस्तुत की।मुख्य अतिथि सह प्रभारी, शाहाबाद चुनाव अभियान समिति तथागत हर्षवर्धन ने संबोधित करते हुए कहा कि बिहार को अब बदलाव की जरूरत है, यह बदलाव नेतृत्व में, व्यवस्था में और नीयत में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जन सुराज पार्टी केवल सत्ता प्राप्त करने का लक्ष्य नहीं रखती, बल्कि एक नई राजनीतिक संस्कृति की स्थापना चाहती है जो पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसहभागिता पर आधारित हो।मंच पर कार्यक्रम प्रभारी सउद आलम, युवा प्रभारी नरेंद्र मिश्रा उर्फ बजरंगी मिश्रा, जिला महासचिव रेखा कुशवाहा, जिला महिला अध्यक्ष अंशु श्रीवास्तव सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में नरेंद्र मिश्र ने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस बदलाव यात्रा का हिस्सा बनें और राज्य की राजनीति में सकारात्मक योगदान दें। अंशु श्रीवास्तव ने कहा कि बिहार की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है। यदि हम बदलाव चाहते हैं, तो निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। रेखा कुशवाहा ने जातिवाद आधारित राजनीति की आलोचना करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि लोग जाति-पाति से ऊपर उठकर अपने भविष्य को ध्यान में रखकर वोट करें।सभा के दौरान स्थानीय लोगों ने भी अपनी समस्याओं और सुझावों को खुलकर रखा, जिसे पार्टी नेतृत्व ने गंभीरता से सुना और समाधान का आश्वासन दिया।सभा के अंत में सदस्यता अभियान चलाया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने जन सुराज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

डुमरांव पुलिस ने 24 घंटे में शराबी का किया चार्जशीट, अब मिलेगी सजा

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने एक शराबी के खिलाफ 24 घंटे में कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर नया कीर्तिमान बनाया है, संभवतः यह पहला मामला है, जिसमें डुमरांव पुलिस ने 24 घंटे में चार्जशीट जमा की है। मिली जानकारी के अनुसार डुमरांव के खिरौली निवासी राजू सिंह पिता स्व. रामानुज सिंह को पुलिस ने एक सप्ताह के अंदर दूसरी बार शराब पीने के आरोप में मंगलवार की शाम उसके घर से गिरफ्तार किया था। पांच दिन पहले भी वह शराब के नशे में पकड़ा गया था, तब पहली बार शराब पीने के आरोप में पकड़े जाने पर उसे नये नियमों के तहत आसानी से बेल मिल गया था, लेकिन उसकी हरकते कम नहीं हुई।

बक्सर में सिपाही भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न

बक्सर। बिहार पुलिस में सिपाही के पदों पर चयन के लिए केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा बुधवार को जिले में शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त माहौल में संपन्न हुई। डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह एवं एसपी शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया तथा केन्द्राधीक्षकों व वीक्षकों को कई आवश्यक निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने डीएवी पब्लिक स्कूल लालगंज, फाउंडेशन स्कूल ईटाढ़ी रोड और एमपी उच्च विद्यालय रामरेखा घाट बक्सर सहित कई केंद्रों का दौरा किया। डीएम ने परीक्षा कक्षों में जाकर व्यवस्था की बारीकी से जांच की और केंद्राधीक्षकों एवं दंडाधिकारियों को परीक्षा में निष्पक्षता और अनुशासन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। सभी केंद्रों पर दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति के साथ-साथ पुलिस बल की तैनाती की गई थी। जिला नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार कुल 3682 परीक्षार्थियों में से 2982 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 700 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। वहीं, किसी भी केंद्र से नकल या अनुशासनहीनता की कोई शिकायत नहीं मिली और कोई भी परीक्षार्थी निष्कासित नहीं किया गया, जो पारदर्शी व कदाचारमुक्त परीक्षा का प्रमाण है।

लोगों से गंगा तटों से दूर रहने की अपील, बक्सर के घाटों पर कराई गई बैरेकेडिंग

बक्सर में चेतावनी बिंदू के करीब पहुंची गंगा, तटीय इलाकों में फैलने लगा पानी

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में गंगा चेतावनी बिंदू के करीब पहुंच गई है। अब यह तेजी से खतरे के निशान की तरफ बढ़ रही है। बुधवार को भी गंगा के जलस्तर में वृद्धि जारी रहा। बक्सर के ऐतिहासिक रामरेखा घाट के विवाह मंडप तक बाढ़ का पानी पहुंच गया है। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर घाटों पर बैरेकेडिंग कराने के साथ ही लोगों को गंगा तटों से दूर रहने, गंगा में स्नान नहीं करने आदि की एडवाइजरी जारी की है।

गंगा के इस रौद्र रूप को देख प्रशासन अलर्ट हो गया है। डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह ने बुधवार को रामरेखा घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बढ़ते जल स्तर को देखते हुए बैरेकेडिंग को और उपर करने तथा रामरेखा घाट सहित अन्य घाटों पर मजिस्टेªट की तैनाती करने, माइकिंग करा लोगों को सावधान करने आदि की नसीहते दी। वहीं, उन्होंने बक्सर तथा डुमरांव अनुमंडल को अपने-अपने क्षेत्रों में बाढ़ से बचाव के लिए हर जरूरी प्रयास करने का निर्देश दिया। ताकि समय रहते पीड़ितों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया जाए। उनकी जानमाल बच सके।

तटीय इलाकों में फैलने लगा पानी, डूबे सैकड़ो एकड़ खेतः जल स्तर में वृद्धि होने से अब बाढ़ का पानी मुख्य नदी से उपर तटीय इलाकों में फैलने लगा है। जिससे चौसा, सिमरी, चक्की व ब्रह्मपुर प्रखंडो के तटीय इलाके के सैकड़ो एकड़ खेत जलमग्न हो गए है तथा उनमें लगी परवल तथा अन्य सब्जियों व मक्का की फसल डूबने लगी है। जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। बता दें कि कार्यपालक अभियंता बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल बक्सर द्वारा सुबह 11 बजे जल स्तर 59.07 मीटर तक पहुंचने की जानकारी दी गई थी। जबकि शाम तक गंगा चेतावनी बिंदू को पार कर खतरे के निशान की ओर बढ़ चली थी। बता दें कि बक्सर में गंगा नदी का चेतावनी बिंदु 59.32 मीटर तथा खतरे का निशान 60.32 मीटर है। गंगा नदी अभी खतरे के निशान से 1.25 मीटर नीचे बह रही है।गंगा नदी में बढ़ते जल स्तर को देखते हुए संबंधित अंचल अधिकारी को बाढ़ से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश दिया गया है। वहीं, बाढ़ आने की संभावना को देखते हुए प्रभावित इलाके के लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है। लोग अभी से खुद तथा अपने पालतू मवेशियों के सुरक्षित आश्रय तथा भोजन पानी की तलाश में जुट गए है। बता दें कि बाढ़ आने पर बक्सर जिले के चार प्रखंडों की करीब 1.25 लाख की आबादी प्रभावित हो सकती है।

गंगा के तटीय इलाके में सब्जी की फसल डूबी

ब्रह्मपुर। गंगा का जल स्तर बढ़ने के साथ ही कटाव काफी तेज हो गया है। ब्रह्मपुर प्रखंड के नैनीजोर पंचायत अंतर्गत प्रबोधपुर डेरा व पत्थरघाट के समीप तेज कटाव देख ग्रामीण सहम उठे। ग्रामीणों ने प्रशासन पर कटाव रोकने में लापरवाही का आरोप लगा अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन इस कटाव को गंभीरता से नहीं ले रहा है, बल्कि प्रशासनिक स्तर पर लापरवाही बरती जा रही है, जिसका खामियाजा तटीय इलाके के किसानों को भुगतना पड़ रहा है। वहीं, कटाव लगातार जारी रहने से अब तटीय इलाके के करीब स्थित गांवों तथा कोईलवर तटबंध पर भी खतरा मंडराने लगा है। ग्रामीणों का कहना है कि यहां लंबे समय से कटाव हो रहा है, बावजूद प्रशासन बेफिक्र बना हुआ है। ग्रामीणों ने कहा कि जबतक गंगा के कटाव के समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल जाता है, तबतक उनका धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।अनिश्चितकालीन धरना पर बैठने वालों में ध्रुव तिवारी, मैनेजर यादव, भुटेली तिवारी, बुआ तिवारी, दीपक तिवारी, ध्रुव उपाध्याय, विजेंद्र यादव, विशेश्वर यादव, सत्यदेव राम, राजकिशोर प्रसाद, आत्मा यादव सहित अन्य शामिल है।

खतरनाक हुआ डुमरांव का स्टेशन रोड, डेंजर जोन वाले स्पॉट पर लोगों ने एहतियात के तौर पर लगाए लाल झंडा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव का जर्जर स्टेशन रोड अब खतरनाक हो गया है। पिछले 24 घंटे से मानसून के सक्रिय होने तथा झमाझम बारिश से स्थिति और खतरनाक हो गई है। आलम यह है कि कई जगहों को डेंजर जोन के रूप में चिन्हित करते हुए स्थानीय लोगों ने लाल झंडे या ताड़ के सूखे पत्ते खड़े कर दिए है, ताकि वाहन चालकों को खतरे का अहसास हो सकें तथा वाहन चालक उस तरफ से अपने वाहन को नहीं ले जाए।

वहीं, बुधवार को स्टेशन रोड में ईदगाह से लेकर राज हाई स्कूल के खेल मैदान तक दर्जनों ई-रिक्शा व ऑटो रिक्शा पलटते रहे, जिसमें यात्री भी घायल हुए। जबकि कई बाइक चालक भी इस पथ पर दुर्घटना को शिकार हो रहे है।

स्टेशन रोड में ईदगाह के पास दुकान का संचालन करने वाले अरूण शर्मा ने बताया कि सड़क पर उभरे गड्ढें बारिश होने से और बड़े हो गए है तथा उसमें पानी भर जाने से वाहन चालकों को गहराई का आभास नहीं हो पा रहा है। हर कुछ मिनट के बाद कोई न कोई ई-रिक्शा या ऑटो रिक्शा पलट जा रहा है। यही हाल राज हाई स्कूल के पास सड़क पर उभरे गड्ढें का हुआ है।

जबकि स्टेशन रोड में व्यापार मंडल से लेकर डॉ. शैलेश श्रीवास्तव के क्लीनिक तक दो जगहों पर सड़क पर लाल झंडे लगाने पड़े है।

बता दें कि एनएचएआई ने इस पथ का शीघ्र मरम्मत कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो सका है। वहीं, मानसून के एक बार फिर से सक्रिय होने पर स्टेशन रोड और खतरनाक बन गया है। विदित हो कि हर साल इसी तरह का हाल सड़कों का होता है। हर साल गड्ढा में गिरने से कई लोग गंभीर रूप से जख्मी हो जाते है। प्रशासन की ओर से इस पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है।

अंचल कार्यालय परिसर में मारपीट, घायल हुआ होमगॉर्ड जवान, सुरक्षा पर उठे सवाल

केटी न्यूज/नावानगर

स्थानीय थाना क्षेत्र अंतर्गत केसठ अंचल कार्यालय परिसर में हुई मारपीट की घटना सामने आया है। बुधवार दोपहर अंचल गार्ड के साथ हुए इस हमले में जहां एक ओर होम गार्ड सिपाही रिंकू राम घायल हो गए, वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी उठ खड़ा हुआ है कि आखिर सरकारी संस्थानों की सुरक्षा कितनी प्रभावी है। जानकारी के अनुसार, अंचल कार्यालय के समीप कुछ युवक शराब का सेवन कर रहे थे। ड्यूटी पर तैनात अंचल गार्ड रिंकू राम ने जब इसका विरोध किया तो वे युवक पहले वहां से चले गए। परंतु कुछ देर बाद पांच से छह की संख्या में लौटकर गार्ड को परिसर से बाहर बुलाया और उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। इस हमले में गार्ड का सिर फट गया, जिन्हें प्राथमिक उपचार हेतु केसठ स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। घटना के बाद पीड़ित गार्ड ने

नावानगर थाना में तीन नामजद सहित तीन अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। नामजद आरोपियों में नीतीश कुमार, चिंटू पासवान और रामलाल पासवान शामिल हैं, जो सभी केसठ गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। इस घटना के बाद अंचल कार्यालयों और अन्य प्रशासनिक संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इधर स्थानीय लोगों का मानना है कि अंचल कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण स्थलों पर शराबखोरी और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा चिंताजनक है।

डुमरांव थाना क्षेत्र से लापता किशोरी बरामद, आरोपी गिरफ्तार

डुमरांव। स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव से आठ महीने पहले लापता हुई एक किशोरी को डुमरांव पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। इस दौरान पुलिस ने किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने के आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान बगेन गोला के पासवान टोली निवासी मैनेजर पासवान के रूप में हुई है।

खिलाड़ियों को गांव-गांव से मंच देने पर दिया जाएगा जोर, फुटबॉल को नई ऊंचाई तक पहुंचाने का संकल्प

डॉ. रमेश सिंह फिर बने बक्सर जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष, मिली बधाई

केटी न्यूज/डुमरांव

जिला फुटबॉल संघ की कमान एक बार फिर अनुभवी खेलप्रेमी व शिक्षाविद् डॉ. रमेश सिंह को सौंप दी गई है, जबकि सचिव पद पर जनार्दन यादव निर्विरोध चुने गए हैं।

बुधवार को संत जॉन सेकेंडरी स्कूल सभागार में आयोजित संघ की वार्षिक आमसभा एवं चुनावी बैठक में यह निर्णय लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वयं डॉ. रमेश सिंह ने की, जबकि बिहार फुटबॉल संघ की ओर से रविन्द्र प्रसाद सिंह ने पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई। उन्होंने पूरी चुनाव प्रक्रिया की निगरानी की

और निष्पक्षता सुनिश्चित की। इस बैठक में जिले के 16 मान्यता प्राप्त क्लबों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों का चयन किया गया। चुनाव शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक ढंग से संपन्न हुआ, जिसमें अनुभव और समर्पण को प्राथमिकता दी गई।युवाओं को दिशा देना है प्राथमिकता दोबारा अध्यक्ष चुने जाने के बाद डॉ. सिंह ने कहा कि उनका प्रमुख उद्देश्य फुटबॉल खेल को गांव-गांव तक ले जाना है। उन्होंने कहा कि संघ का प्रयास होगा कि ग्रामीण क्षेत्रों से निकलने वाली प्रतिभाओं को मंच और संसाधन मुहैया कराकर उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष संघ ने कई स्थानीय टूनामेंट्स और प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया, जिससे खिलाड़ियों में उत्साह का संचार हुआ है। प्रशिक्षण और आधारभूत ढांचे को मिलेगी मजबूतीसचिव चुने गए जनार्दन यादव ने भरोसा दिलाया कि आगामी सत्र में खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र और बेहतर खेल ढांचे के निर्माण पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बालक और बालिका वर्ग की अलग-अलग प्रतियोगिताएं शुरू की जाएंगी, जिससे महिला फुटबॉल को भी नया आयाम मिलेगा। वहीं, बिहार फुटबॉल संघ के पर्यवेक्षक रविन्द्र प्रसाद सिंह ने डुमरांव में खेल को लेकर क्लबों की सक्रियता की प्रशंसा करते हुए कहा कि यदि यही समर्पण बना रहा, तो बक्सर से राज्य और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी अवश्य निकलेंगे। कार्यक्रम के अंत में निर्वाचित अध्यक्ष और सचिव को सभी क्लब प्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। वहीं, लोगों ने डॉ. रमेश सिंह को एक बार फिर से बक्सर जिला फुटबॉल संघ का अध्यक्ष बनने पर बधाई दी है।

संक्षिप्त समाचार

गोविंदपुर-निरसा एलिवेटेड रोड निर्माण के लिए एसएंडपी कंपनी से करार

धनबाद, एजेंसी। गोविंदपुर–निरसा एलिवेटेड रोड निर्माण का रास्ता साफ हो गया है. एनएचएआइ और निर्माण एजेंसी एसएंडपी कंपनी के बीच दिल्ली में करार हो गया है. अगले माह से एलिवेटेड रोड का काम शुरू हो जायेगा. जिले में ट्रैफिक जाम और सड़क दुर्घटनाओं की समस्या को कम करने के लिए एनएचएआई (भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) का एक बड़ा कदम है. एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रमोद कुमार ने मंगलवार को बताया कि एसएंडपी कंपनी को पहले ही टेंडर अवार्ड हो चुका था. एग्रीमेंट से पहले सभी कागजी प्रक्रियाएं और बैंक गारंटी का काम पूरा कर लिया गया है. एग्रीमेंट को लेकर कुछ तकनीकी समस्या थी जिसे दूर करते हुए कंपनी के साथ करार कर लिया गया है. विभागीय स्तर से कंपनी को काम शुरू करने के लिए नोटिस जारी किया जा रहा है. संभावना है कि अगले महीने से निर्माण कार्य की शुरुआत हो जाएगी. गोविंदपुर में कौआबांध से रतनपुर तक चार किलोमीटर लंबा एलिवेटेड रोड बनेगा, निरसा में देवियाना मोड़ से खुदिया फाटक तक 3.7 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड रोड का निर्माण होगा. मिट्टी जांच का कार्य पहले ही एसएंडएस कंस्ट्रक्शन द्वारा गोविंदपुर और निरसा दोनों जगहों पर पूरा कर लिया गया है.

युवाओं के लिए सही कौशल व मार्गदर्शन जरूरी : सचिव

रांची, एजेंसी। श्रम विभाग के सचिव जितेंद्र सिंह ने कहा कि आज के समय में विकासशील देशों की युवा ऊर्जा को उचित व सही तरीके से उपयोग में लाने की जरूरत है. आज के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल युग में युवाओं को सही कौशल और उचित मार्गदर्शन नहीं मिले, तो हमारे युवा व हमारा देश नयी तकनीक की दौड़ में पीछे रह जायेंगे. सचिव मंगलवार को विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर कांके रोड रांची स्थित विश्वेश्वरैया प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे. यहां श्रम विभाग की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया था. मौके पर झारखंड कौशल विकास मिशन सोसाइटी के मिशन निदेशक–सह–कार्यपालक पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार लाल ने कहा कि युवाओं को केवल औपचारिक कौशल प्रशिक्षण ही न दें, बल्कि गुणवत्तापूर्ण कौशल विकास पर ध्यान देने की जरूरत है. सभी हितधारक आपसी समन्वय और जिम्मेदारी में काम करें, तभी हमारे युवाओं और राज्य का भविष्य उज्ज्वल होगा. इस दौरान कौशल प्रदर्शन से जुड़े कई स्टॉल भी लगाये गये थे. प्रधानमंत्री कौशल योजना अंतर्गत नवनियुक्त उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र भी दिया गया. साथ ही कार्यरत लोगों को सम्मानित भी किया गया. कार्यक्रम में विभाग के अपर सचिव सुनील सिंह, श्रमायुक्त रवि रंजन कुमार विक्रम, विशेष सचिव पेयजल राजीव रंजन कुमार सहित अन्य मौजूद थे.

जमशेदपुर के जवाहर नगर में हवाई फायरिंग : दो पक्षों के बीच विवाद में चली गोली

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर के मानगो थाना क्षेत्र के जवाहर नगर में मंगलवार रात करीब 11 बजे हवाई फायरिंग की घटना हुई। रोड नंबर 9 पर दो पक्षों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद के दौरान एक पक्ष ने पिस्टल निकालकर हवा में फायर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मानगो थाना प्रभारी नित्यानंद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई। पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया है। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। पुलिस के अनुसार यह फायरिंग आपसी विवाद के कारण की गई। घटनास्थल से कोई हथियार बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। गश्त बढ़ा दी गई है। स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है। पुलिस टीम रोड नंबर 9 और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। इससे दोषियों की पहचान में मदद मिल सकती है। फायरिंग की घटना से इलाके में दहशत का माहौल बन गया था। लोग अपने घरों में दुबक गए थे।

नामकुम पावर ग्रिड में हुई लाखों की डकैती

कर्मियों को बंधक बना दो दर्जन अपराधियों ने लूटा तांबा

नामकुम, एजेंसी। राजधानी रांची के नामकुम स्थित हाइटेंशन क्वाटर के समीप पावर ग्रिड में सोमवार, 14 जुलाई की रात दो दर्जन से अधिक हथियारबंद अपराधियों ने चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया। देर रात करीब 10 बजे अपराधी ग्रिड में घुसे और कंट्रोल रूम में कार्यरत कर्मियों व होम गार्ड के जवानों का मोबाइल लूटने के बाद जेई के कार्यालय में बंधक बनाया। इसके बाद दो से ढाई घंटे तक अपराधी ग्रिड के कंट्रोल रूम व सेंट्रल स्टोर में घुसकर चोरी करते रहे।

अपराधियों ने कंट्रोल रूम स्थित जेई कार्यालय व स्टोर सहित कुल 8 तालों को काटा। मौके पर उपस्थित कर्मियों के अनुसार चोरों ने तांबा के सामानों की चोरी की है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही डीएसपी मुख्यालय प्रथम अमर कुमार पांडेय , नामकुम थाना के पदाधिकारी व तकनीकी शाखा की टीम मौके पर पहुंची एवं आवश्यक जांच किया। मौके पर पहुंचे बिजली विभाग के वरीय अधिकारियों ने बताया कि ग्रिड से मेन रोड रांची, टाटीसिलवे, खेलगांव सहित दर्जनों जगहों पर आपूर्ति की जाती है। गनीमत है कि अपराधियों ने ग्रिड में छेड़छाड़ नहीं किया वरना आधी रांची में अंधेरा छा जाता।

चोर ग्रिड के उत्तर दिशा में टूटे हुए दीवार से अंदर घुसे और घटना को अंजाम देने के बाद उसी रास्ते से निकल गये। उपस्थित कर्मियों ने बताया कि ग्रिड के मुख्य गेट पर होम गार्ड का जवान शिवनाथ कुमार एवं अंशेलम खाखा और टावर पर अनिल सिंह मुंडा , कंट्रोल रूम के गेट पर धन्नू कुमार राय एवं अवनीश कुमार ड्यूटी कर रहे थे। कंट्रोल रूम में अयोध्या प्रसाद, विनय करमाली, कोसलेस कुमार व लल्लू भाई पटेल मौजूद थे। हल्की बारिश हो रही थी। इसी दौरान सभी कंट्रोल रूम के गेट पर पहुंचे व पहले दोनों जवानों को उसके बाद चारों कर्मियों को अपने कब्जे में लेकर सभी का मोबाइल लूट लिया।

कट्टा समेत अन्य हथियारों से लैस थे अपराधी : जेई के कार्यालय का ताला काटकर सभी को बंधक बना लिया। सभी के हाथ में कट्टा, लोहे के रॉड व अन्य हथियार थे। उसके बाद सभी ने कंट्रोल रूम व स्टोर का ताला काटकर चोरी की। रात 12~30 घटना को अंजाम देने के बाद सभी को मुक्त किया और जाते समय धमकी दी की हल्ला करोगे तो बुरा अंजाम करेंगे। दो अपराधी हथियार के साथ मौजूद रहें। मोबाइल देने के बाद दोनों कंट्रोल रूम की खिड़की की शीशा तोड़कर वहां से फरार हो गये। घटना के बाद से उपस्थित कर्मी व जवान डरे हुए हैं।

टूटे पड़े हैं दीवार, कैमरे भी खराब, सुरक्षा में बड़ी लापरवाही : ग्रिड में चोरी की यह चौथी घटना है। बड़ा पावर ग्रिड व सेंट्रल स्टोर होने के बावजूद सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं है। केवल पांच होमगार्ड जवानों पर सुरक्षा की जिम्मेदारी है। आर्म्स गार्ड भी नहीं है। ग्रिड के पूर्व व उत्तर दिशा की चारदीवारी वर्षों से गिरी हुई है, परंतु आजतक मरम्मत नहीं कराया गया। ग्रिड में चारों ओर झाड़ियों उगी हुई है। ग्रिड में लगें सीसीटीवी कैमरे भी खराब है। इस संबंध में पूछने पर कर्मियों ने बताया कि वज्रपात में कैमरे खराब हो गये।

ग्रिड के पास होती है अड्डे बाजी : जिस जगह ग्रिड है उसके पास में हाइटेंशन मैदान है जहां सुबह से लेकर देर रात तक अड्डा बाजी होता है। देर रात तक वहां असमाजिक तत्व के लोग रहते हैं। मैदान में हर रोज दर्जनों शराब ,बीयर व अन्य नशीली वस्तुएं फेंकी हुई मिलती है। थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि अबतक आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

गिरा ट्रांसफॉर्मर व पोल, कई इलाकों में घंटों बिजली गुल

धनबाद, एजेंसी। भूली बाइपास के समीप मंगलवार की सुबह 33 केवीए का ट्रांसफॉर्मर व पोल गिरने तथा धैया के समीप अंडरग्राउंड केबल में खराबी की वजह से लोगों को गंभीर बिजली संकट का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार भूली बाइपास के समीप पोल क्षतिग्रस्त होने से भूली के साथ नवाडीह व पॉलेटेक्निक सबस्टेशन को बिजली की सप्लाई बाधित हो गयी। जेबीवीएनएल के अधिकारियों के अनुसार मंगलवार की सुबह बिजली का पोल पहले झुका बाद में गिर गया। इससे पास में लगा ट्रांसफॉर्मर भी गिर गया। सूचना मिलने के साथ तीनों सबस्टेशन की बिजली सप्लाई बंद कर दी गयी। जेबीवीएनएल की ओर से मरम्मत कार्य शुरू किया गया। क्रेन मंगवाकर बिजली के खंभे को सीधा किया गया। बाद में पोल को जाम किया गया। बिजली का खंभा क्षतिग्रस्त होने की वजह से तारों को भी नुकसान पहुंचा। बाद में तारों को बदलने का कार्य किया गया। देर रात खराबी दुरुस्त कर तीनों सबस्टेशन के संबंधित इलाकों में बिजली बहाल की गयी।

इधर, मंगलवार की दोपहर लगभग 12 बजे धैया के समीप बिजली के अंडर ग्राउंड केबल में खराबी आ गयी। इससे धैया सबस्टेशन अंतर्गत विभिन्न इलाकों में बिजली की सप्लाई ठप हो गयी। शाम चार बजे खराबी का पता लगाकर मरम्मत कार्य शुरू किया गया। क्षतिग्रस्त केबल को बदल नया लगाया गया। देर रात खराबी दुरुस्त कर धैया सबस्टेशन से संबंधित इलाकों में बिजली सप्लाई शुरू की गयी। इस दौरान धैया से लेकर बरटांड़, लोहारकुल्ही समेत अन्य इलाकों में रहने वाले उपभोक्ताओं को घंटों बिजली कटौती का सामना करना पड़ा।

लगातार हो रही बारिश से जेबीवीएनएल के उपकरणों में खराबी आने का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात का झारखंड में दिखेगा असर, कई जिलों में बारिश की चेतावनी

धनबाद, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर सक्रिय होने से मंगलवार को पूरे दिन रुक-रुक कर वर्षा होती रही। मानसून सीजन में अब तक 605.2 मिलीमीटर रिकॉर्ड वर्षा दर्ज हो चुकी है।

मानसूनी बारिश का दौर अभी जारी रहेगा। मौसम केंद्र रांची से 17 जुलाई तक धनबाद समेत राज्य के ज्यादातर हिस्से में बारिश की चेतावनी जारी की है। धनबाद में येलो अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर पूर्वी भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश का अनुमान जताया है। इस दौरान आंधी व आसमानी बिजली गिरने की संभावना जताई है। जुलाई के पहले पखवाड़े में अब तक हर दिन बारिश हुई है। लगातार बारिश ने जनजीवन प्रभावित कर दिया है। बारिश की गतिविधि बढ़ने से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है।

अधिकतम तापमान 28 डिग्री पर पहुंच गया। बारिश का दौर जारी रहने से अगले दो दिनों में तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। उसके बाद धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो सकती है।अगले कुछ दिनों के दौरान जामताड़ा समेत आसपास के इलाके में मौसम के मिजाज में बदलाव देखने को मिलेगा।

अगले पांच दिनों के दौरान जामताड़ा व आसपास के इलाके में मध्यम से भारी बारिश के आसार हैं। मौसम में बदलाव की वजह से पारे में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। अधिकतम व न्यूनतम पारे का तापांतर तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जाएगा। हवा 12 से 19 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी।

टला बड़ा हादसा, बसकटवा-यदुग्राम के बीच भूस्खलन से रेल सेवा प्रभावित, रातभर चला राहत कार्य

कोडरमा, एजेंसी। झुमरी तिलैया पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद मंडल अंतर्गत आने वाले कोडरमा रेलवे सुरक्षा बल के तत्पर प्रयासों से एक बड़ी रेल दुर्घटना टल गयी। क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण बसकटवा और यदुग्राम स्टेशन के बीच स्थित किलोमीटर संख्या 420/02 पर कल मंगलवार की देर रात भूस्खलन हो गया। इसके बाद से डाउन रेल पथ पर रेलगाड़ियों का परिचालन बाधित हो गया है।

कल रात 10~40 बजे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सामान्य नियंत्रण कार्यालय धनबाद ने घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही सभी राहत शिविर ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को उनके स्थानों पर वर्दी में मुस्तैद रहने और स्थिर खड़ी कोचिंग रेलगाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। रेल सुरक्षा बल के उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार तथा उनके सहयोगी कर्मचारियों के साथ-साथ गझंडी क्षेत्र के सहायक मंडल अभियंता, रेल पथ निरीक्षक, कार्य निरीक्षक, तथा बिजली करण शाखा के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे।

घटनास्थल पर पहुंची विद्युत शाखा की टीम ने रात 12~12 बजे से 12~30 बजे तक स्थल का निरीक्षण कर रेल पथ को सुरक्षित चलने योग्य प्रमाणित किया। अप रेल पथ का परिचालन पहले से ही सामान्य था। घटनास्थल पर पहली रेलगाड़ी संख्या 13010 को रात्रि 1 बजे पर डाउन पथ से सुरक्षित रूप से निकाला गया, और प्रातः 3 बजे तक सभी कार्य पूर्ण कर लिए गये।

घटनास्थल और उसके आसपास के क्षेत्र में लगातार भारी वर्षा हो रही थी, जिससे राहत कार्य में परेशानियां हुईं, परंतु सभी विभागों ने मिलकर रात भर चले अभियान में तत्परता और समर्पण के साथ कार्य किया। रेल प्रशासन ने बताया कि गझंडी के सहायक मंडल अभियंता, पथ निरीक्षक, और उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पूरी मुस्तैदी से उपस्थित रहे और निरंतर निगरानी व मार्गदर्शन में कार्य हुआ।

चतरा के प्लस टू गर्ल्स स्कूल में हिजाब विवाद

छात्राओं ने लगाया मारपीट का आरोप

कोडरमा, एजेंसी। चतरा जिले के मारवाड़ी मोहल्ला स्थित प्लस टू गर्ल्स हाई स्कूल में हिजाब पहनने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। छात्राओं ने हिजाब पहनने से रोकने और मारपीट करने का आरोप लगाते हुए स्कूल परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। छात्राओं का कहना है कि प्रिंसिपल नीतू प्रजापति, शिक्षिका पल्लवी सीमा किरण और शिक्षक रविंद्र कुमार ने हिजाब पहनने पर उनके साथ मारपीट की। कई छात्राएं घायल हो गईं, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में अभिभावक और स्थानीय लोग स्कूल पहुंच गए। उन्होंने आरोपित प्रिंसिपल को हटाने की मांग की, जिससे स्कूल में तनाव का माहौल बन गया।

प्राचार्या नीतू प्रजापति ने छात्राओं के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल में किसी तरह का धार्मिक भेदभाव नहीं होता। विवाद स्वच्छता कार्यक्रम के दौरान हुआ, जिसका गलत मतलब निकाला जा रहा है। उन्होंने सच्चाई सामने लाने के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग की है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) जहूर आलम और सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने छात्राओं और अभिभावकों को शांत कराया और निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया।

अस्पताल में बंद कमरे में छात्राओं से पूछताछ : सदर अस्पताल में एक बंद कमरे में छात्राओं से विस्तृत पूछताछ की गई। पूछताछ में कई छात्राओं ने बताया कि शिक्षक रविंद्र कुमार उन्हें ÷दूसरे देश का÷ कहकर बुलाते हैं। वहीं, शिक्षिका किरण पर आरोप है कि वह कई बार हिजाब छीनकर फेंक चुकी हैं और हिजाब न हटाने पर टीसी काटने की धमकी देती हैं।

जांच के बाद होगी सख्त कार्रवाई : एसडीओ : एसडीओ जहूर आलम ने बताया कि शुरुआती जांच में स्कूल में किसी तरह का स्पष्ट भेदभाव नहीं पाया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड में चलेगा 'मेरा विद्यालय निपुण, मैं भी निपुण' अभियान, दिसंबर तक होगा मूल्यांकन

रांची, एजेंसी। झारखंड में प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चों की बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को मजबूत करने के उद्देश्य से 'मेरा विद्यालय निपुण, मैं भी निपुण' कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। इस कार्यक्रम के तहत दिसंबर 2025 तक राज्य के 35 हजार विद्यालयों के लगभग 8 लाख बच्चों का मूल्यांकन किया जाएगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दिशा निर्देशों के अनुरूप झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के पहले चरण में 1056 विद्यालयों का चयन किया गया है। मूल्यांकन प्रक्रिया के लिए मास्टर ट्रेनर्स और चऋकी टीम को जिम्मेदारी दी गई है।

इस कार्यक्रम के दो प्रमुख घटक 'मेरा विद्यालय निपुण' और 'मैं भी निपुण' हैं। विद्यालयों का मूल्यांकन 13 संकेतकों के आधार पर किया जाएगा। जिसमें शिक्षण अधिगम सामग्री, शिक्षकों की जागरूकता, कक्षा संचालन, बाल साहित्य का उपयोग और सामुदायिक भागीदारी जैसे बिंदु शामिल हैं।

75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले स्कूलों को 'निपुण विद्यालय' का दर्जा मिलेगा और उन्हें स्वर्ण, रजत या कांस्य श्रेणी में प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा।

वहीं 'मैं भी निपुण' श्रेणी के तहत कक्षा 2 और 3 के बच्चों का भाषा (हिंदी व अंग्रेजी) और गणितीय कौशल में मूल्यांकन किया जाएगा। प्रत्येक विषय में न्यूनतम 75 प्रतिशत अंक लाने वाले बच्चों को 'मैं भी निपुण' प्रमाणपत्र मिलेगा और वे स्नस्न्ह चैंपियनशिप के लिए सीधे चयनित होंगे।

रिम्स की नर्सिंग छात्रा का नहाते हुए वीडियो बनाने वाला युवक गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में बीएससी नर्सिंग की छात्रा की नहाते समय वीडियो बनाने का एक मामला सामने आया है। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वीडियो बनाने वाले आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार युवक का नाम मनीष कुमार उर्फ लिलूवा बताया गया है।घटना कल गुरुवार दोपहर करीब 2~30 बजे की है। छात्रा रिम्स में बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रही है।

इस संबंध में पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, जोड़ा तालाब स्थित उसी मोहल्ले में छात्रा के पड़ोस में किराये पर रह रहा था। जानकारी के अनुसार पीड़िता जब बाथरूम में नहा रही थी, उसी दौरान आरोपी ने खिड़की का शीशा हटाकर वीडियो बनाना शुरू कर दिया। छात्रा को इस हरकत का आभास होते ही उसने शोर मचाया, जिसके बाद युवक मौके से भाग निकला।

मामले की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत बरियातू थाना को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची और फरार आरोपी के पिता को हिरासत में लिया। पिता के कहने पर युवक रात में खुद थाने पहुंचा, जहां पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और पिता को छोड़ दिया गया।

भारी बारिश से अस्त-व्यस्त हुआ पलामू , कई जगहों पर भरा पानी, स्कूलों में छुट्टी, सड़कों पर मछली पकड़ते दिखे लोग

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया है। शहर से लेकर गांव तक हर तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा है। लगातार बारिश के कारण जलभराव की स्थिति बन गई है, जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कोयल नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। शहर की नालियों का पानी सड़कों पर बहने लगा है, जिससे यातायात ठप हो गया है। कई मकानों में पानी घुस चुका है, जिससे लोगों का सामान भीग गया है। जीवन यापन मुश्किल हो गया है।

तालाब का पानी ओवरफ्लो, सड़क पर मछलियां : शहर के नावाटोली तालाब का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर बहने लगा है। इस बहते पानी के साथ मछलियां भी सड़क पर आ गई हैं। स्थानीय लोग इस अनोखी स्थिति का लाभ उठाते हुए सड़क पर ही जाल लगाकर मछलियां पकड़ते देखे जा रहे हैं। यह नजारा लोगों के लिए रोमांच का विषय बना हुआ है।

पुलिस लाइन रोड के मेजर मोड़ के पास पानी की तेज धार बह रही है, जिससे वहां से गुजरना खतरनाक हो गया है। वहीं, रेलवे अंडरपास पूरी तरह से पानी में डूब चुका है, जिससे रेल यातायात पर भी असर पड़ा है। जिला मुख्यालय समेत कई इलाकों में जलजमाव से जनसुविधाएं ठप हो गई हैं।

कई स्कूलों में हुई छुट्टी : भारी बारिश को देखते हुए डीएवी, हेरिटेज समेत कई निजी स्कूलों ने छुट्टी की घोषणा कर दी है। कुछ स्कूलों ने नर्सरी से लेकर पांचवीं कक्षा तक की पढ़ाई स्थगित कर दी है। बच्चों और अभिभावकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी चिंताजनक है। कई कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचा है। कुछ घरों की दीवारें गिरने की खबरें भी मिली हैं। खेतों में पानी भर गया है, जिससे फसलों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है।

सुभाषितम्

संसार में ऐसे लोग थोड़े ही होते हैं, जो कठोर किंतु हित की बात कहने वाले होते हैं। - महर्षि वाल्मीकि

मुख्यमंत्री के साथ सुरक्षाकर्मियों की झूमाझटकी

श्रीनगर में सोमवार को जो कुछ देखने को मिला है वह बड़ा आश्चर्यचकित करने वाला है। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को शहीद दिवस मनाने को लेकर पहले उन्हें घर पर ही हाउस अरेस्ट किया गया। इसके बाद भी जब वह शहीद दिवस मनाने के लिए जबरदस्ती अपने घर से निकले तो सुरक्षा कर्मियों ने उनको रोकने का प्रयास किया। वह नहीं माने और मंत्रियों के साथ कब्रिस्तान में जाकर 1931 में हुए शहीदों के नाम पर फातिहा पढ़ना चाह रहे थे। उन्हें रास्ते में ही रोक लिया गया। सुरक्षा कर्मियों ने मुख्यमंत्री के साथ झूमाझपटी की। इसके बाद भी वह रुके नहीं, स्कूटर से वह कब्रिस्तान की ओर रवाना हुए। रास्ते में उन्हें फिर रोक दिया गया। लगभग 1 किलोमीटर पैदल चलते हुए वह नक्शबंद की साहिब कब्रिस्तान पर पहुंचे। कब्रिस्तान का दरवाजा बंद था, वहां सुरक्षा कर्मी खड़े हुए थे। उन्होंने दीवाल फांदकर कब्रिस्तान के अंदर प्रवेश किया। वहां उन्होंने शहीदों की याद में फातिहा पढ़ा। उसके बाद वह बाहर निकले। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया पर अपने साथ हुए व्यवहार की फोटो और वीडियो पोस्ट की। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया है, उप राज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा शहीदी दिवस मनाने से रोकना पूरी तरह गलत था। पिछले कई दशकों से शहीद दिवस पर फातिहा पढ़ने के लिए जाया जाता था। फौत हो चुके बुजुर्गों और शहीदों की याद में फातिहा पढ़ना हमारा अधिकार है। मैं एक निर्वाचित मुख्यमंत्री हूं। मेरे ही राज्य में सुरक्षाकर्मियों द्वारा उप राज्यपाल के आदेश पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों के साथ जिस तरह की झूमाझटकी की गई है, उससे ऐसा लगता है, हम स्वतंत्र नहीं हैं। एक गुलाम प्रदेश का निर्वाचित मुख्यमंत्री हूं। जम्मू कश्मीर की सत्ता केंद्र सरकार और उपराज्यपाल के हाथों में है। केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समय जिस तरह के हालात वहां देखने को मिलते रहे, अब वही हालात जम्मू कश्मीर में देखने को मिल रहे हैं। जम्मू कश्मीर एक स्वतंत्र राज्य था। केंद्र ने पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करके केंद्र शासित प्रदेश के रूप में तब्दील कर दिया है। जम्मू कश्मीर विधानसभा के चुनाव हो गए हैं। केंद्र सरकार ने पूर्ण राज्य का दर्जा वापस करने के लिए सुप्रीम कोर्ट और लोकसभा में आश्वासन दिया हुआ है। शहीद दिवस के रूप में कब्रिस्तान में जाकर फातिहा पढ़ना उनका धार्मिक और निजी मामला था। शहीद दिवस मनाने के कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है, लेकिन धार्मिक मान्यताओं के अनुसार फातिहा पढ़ने से कैसे रोका जा सकता था। वह भी इस राज्य के संवैधानिक मुख्यमंत्री के रूप में जब उमर अब्दुल्ला की जिम्मेदारी है। संवैधानिक पदों पर बैठे हुए लोगों के साथ यदि उनके ही सुरक्षाकर्मी तथा उनके ही राज्य की पुलिस इस तरह का व्यवहार करेगी तो संविधान मौलिक अधिकार स्वतंत्रता केंद्र एवं राज्यों के बीच के अधिकार जैसे कई प्रश्न उत्पन्न हो जाते हैं। जिसको लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी लड़ाई लड़ना शुरू की है। वह एक नई दिशा की ओर आगे बढ़ रही है। कुछ दिन पहले ही पहलगाम में 26 पर्यटकों की हत्या की गई थी, वहां पर सुरक्षा व्यवस्था के कोई इंतजाम नहीं थे। अभी तक हमले के जिम्मेदारी आतंकवादी नहीं पकड़े गए। हाल ही में उपराज्यपाल ने उक्त घटना को लेकर जिम्मेदारी स्वीकार की है। अभी यह मामला ठंडा भी नहीं हुआ था, जम्मू कश्मीर में एक नया विवाद शुरू हो गया है। एनडीए और इंडिया गठबंधन को लेकर पक्ष और विपक्ष के बीच में पहले से ही तलवारें खिंची हुई थीं। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री बनने के बाद उमर अब्दुल्ला द्वारा केंद्र सरकार विशेष रूप से प्रधानमंत्री के साथ अपने संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में सहयोग देने का काम किया जा रहा था, जिसके कारण उन्हें इंडिया गठबंधन की आलोचनाओं का भी शिकार होना पड़ रहा था।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- हारामायण और महाभारत में क्या अंतर है? विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- आप ही बताइए अध्यापक बोला- रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है हक-हकूक का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था। महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं-हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्तव्य को अपने जीवन का सर्वोपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों को जन्म देती है। वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

श्मशान तेरा हिसाब बड़ा ही नेक है-तेरे यहां अमीर हो या गरीब सबका बिस्तर एक है

किशन सनमुखदास भावनानी

श्मशान घाट का नाम सुनते ही आंखों के सामने खण्डहरनुमा वीरान स्थान, जलती चिता और उसकी राख की तस्वीर ही उभरती है। परंतु हमें किसी के कहे इन सुंदर वाक्य को वर्तमान परिपेक्ष में याद रखने की जरूरत है कि शमशान तेरा हिसाब बड़ा ही नेक है, तेरे यहां अमीर हो या गरीब सब का बिस्तर एक है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मेरा मानना है कि यहां वह एक ऐसा स्थान है जहां सबका एक समान स्थिति का बोध होता है समाज के हर वर्ग के हर प्राणी को उसी चिता पर लिटाया जाता है। हालांकि प्रक्रिया रीति रिवाज मान्यताएं हर वर्ग की अलग अलग हो सकती है क्योंकि इस रीति रिवाज की घनिष्ठता से ही भारत अनेकता में एकता का भाव रखता है परंतु भेदभाव के भाव में महसूस होता है अभाव! हम सब जीवन के करीब करीब हर स्तरपर, हर स्थिति में भेदभाव का भाव महसूस करते हैं। हर कोई अपनों को प्राथमिकता देता है बड़े नामचीन लोगों का साथ प्रतिष्ठा का एक प्रतीक माना जाता है, परंतु अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति से कोई मतलब पड़ने पर ही बात करना पसंद करता है परंतु असल में श्मशान का बिस्तर ही एक ऐसा स्थान है जहां हर रिक्शा वाले रेहड़ी पटरी वाले और मजदूर इंसान से लेकर बड़े से बड़े उद्योगपति ऑफिसर नेता व्यक्ति की देह को भी उसी बिस्तर पर ही प्रक्रिया कर अग्नि सुपुर्द या सुपुर्द ए खाक किया जाता है जो एक सबसे बड़ा समानता का प्रतीक है। चूंकि आज हम शमशान की नेक सबका बिस्तर एक पर चर्चा कर रहे हैं इसीलिए हमें श्मशान और उससे जुड़ी प्रथाओं मान्यताओं और महिलाओं के प्रवेश वर्जित की मान्यताओं पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सहयोग उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम अंतिम संस्कार की करें तो, हिंदू धर्म में 16 संस्कारों में 16वां संस्कार अंतिम संस्कार होता है। हिंदुओं में व्यक्ति की मृत्यु के बाद दाह संस्कार की रस्में निभाई जाती हैं। मृत व्यक्ति की शव यात्रा निकालने के बाद श्मशान घाट में देह को पंचतत्व में विलीन किया जाता है। अक्सर हमने देखा होगा कि अंतिम संस्कार में केवल पुरुष ही शामिल होते हैं, जबकि महिलाओं का श्मशान घाट में जाना वर्जित होता हैं। ऐसा क्यों होता है? इसके पीछे कुछ पौराणिक मान्यताएं हैं। साथियों बात अगर हम इंसान के बराबरी भाव की करें तो कहावत है कि ईश्वर की नजर में सब बराबर हैं, क्योंकि उसने सबको बराबर जो बनाया है। उसके लिए न कोई अमीर है, न गरीब। न कोई ऊंच, न नीच। न कोई छोटा, न बड़ा। लेकिन विडंबना यह है कि दिन-रात उससे याचना कर उसकी राह पर चलने का दावा करने वाले उसके बंदे, उसके भक्त ही सबको बराबरी की नजर से नहीं देखते, क्योंकि उनकी नजर, उनके मन, आचरण में भेदभाव होता है इसी कारण वे सामने वाले को अपने से छोटा या बड़ा, ऊंचा या नीचा मानते हैं। और जो ऐसा करते हैं, वे अपने पास सब कुछ होने के बाद भी एक कमी-सी, एक अभाव-सा महसूस करते हैं। वे यह समझ ही नहीं पाते कि यह अभाव अपने मन में बसी भेदभाव की भावना की वजह से है। जिस दिन वे इससे ऊपर उठ जाएंगे, उस दिन यह कमी खुद-ब-खुद दूर हो जाएगी। लेकिन समस्या यह है यह जानते हुए भी लोग इससे मुक्त नहीं हो पाते।

साथियों बात अगर हम मानवीय भाव में हर क्षेत्र में विभाजन की करें तो वर्तमान समय में श्मशान में भी सामाजिक विभाजन के एक भाव को आधुनिकता एवं अलग वैचारिक सामाजिक सोच के प्रभाव में आकर बदले जाने की कोशिश तेज हो गई है क्योंकि, भारत के सामाजिक ढांचे में इंसानियत का यह विभाजन जन्म के साथ शुरू होता है और मौत के बाद भी श्मशान घाट तक इंसान का पीछा करता है। भारतीय समाज अनेक जाति-धर्मों में तो बंटा रहा है, लेकिन यह बंटवारा श्मशान घाट में भी दिखाई देता है। एक राज्य में विभिन्न जातियों के लिए अलग अलग श्मशान की परंपरा रियासत कालह की विरासत है। उस राज्य में रियासत के दौर में अलग-अलग जातियों के शमशान घाट का चलन शुरू हुआ। यह आज भी जारी है। एक छोटे से शहर में लगभग 47 श्मशान घाट है जबकि जयपुर में इनकी तादाद 57 है। हर जाति का अपना अंतिम दाह-संस्कार स्थल हैं और उपजातियों ने भी अपने मोक्ष धाम बना लिए है।

साथियों बात अगर हम महिलाओं के श्मशान घाट पर वर्जित होने संबंधी मान्यताओं की करे तो, महिलाओं का मन कमजोर और कोमल होता है। श्मशान में जो दृश्य होते हैं उसको देखकर वह अपने आपको विलाप करने से नहीं रोक पाती हैं। जिससे मृत आत्मा को भी दुख होने लगता है। इस कारण से भी महिलाएं श्मशान में नहीं जाती। ऐसा माना जाता है, श्मशान घाट पर हमेशा नकारात्मक ऊर्जा फैली होती है। महिलाओं के श्मशान घाट जाने पर नकारात्मक ऊर्जा आसानी से उनके शरीर प्रवेश कर सकती है क्योंकि स्त्रियां कोमल ह्रदय की मानी जाती है। साथ ही नकारात्मक ऊर्जा से उनके अंदर बीमारी फैलने की संभावना ज्यादा होती है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, अंतिम संस्कार में परिवार के पुरुषों को मुंडन करवाना पड़ता है, जबकि महिलाओं का मुंडन करना शुभ नहीं माना जाता है, इस वजह से महिलाओं को अंतिम संस्कार में शामिल नहीं किया जाता है। मान्यता है कि अंतिम संस्कार के दौरान घर में नकारात्मक शक्तियां हावी रहती हैं, इसलिए घर को सूना नहीं छोड़ना चाहिए, श्मशान घाट से लौटने के बाद पुरुष स्नान करने के बाद घर में प्रवेश करते हैं, तब तक महिलाओं को घर पर ही रहना पड़ता है। साथियों शवदाह संस्कार के बाद घर लौटते समय पीछे मुड़कर नहीं देनी देखने की मान्यता की करें तो, शवदाह संस्कार के बाद घर लौटते समय वापस पीछे मुड़कर देखने पर आत्मा का अपने परिवार के प्रति मोह टूट नहीं पाता है। दूसरी ओर पीछे मुड़कर देखने का मतलब यह भी होता है कि मृत व्यक्ति के प्रति हम में भी मोह बना हुआ है। इसलिए मोह से मुक्ति के लिए शवदाह संस्कार के बाद लौटते समय पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए। पुराणों में बताया गया है कि मृत्यु के बाद भी कुछ लोगों की आत्मा का अपने परिवार के सदस्यों के साथ मोह बना रहता है। आत्मा के मोहग्रस्त होने पर व्यक्ति की आत्मा अपने परिजनों के आस-पास भटकती रहती है। इस स्थिति में व्यक्ति को मुक्ति नहीं मिल पाती है और उसे कष्ट भोगना पड़ता है। शव दाह संस्कार करके मृत व्यक्ति की आत्मा को यह संदेश दिया जाता है कि अब तुम्हारा जीवित लोगों से और तुम्हारे परिजनों से संबंध तोड़ने का समय आ गया है। मोह के बंधन से मुक्त होकर मुक्ति के लिए आगे बढ़ो। अंतिम संस्कार में वेद मंत्रों के साथ शव को अग्नि के हवाले कर दिया जाता है। शास्त्रों में बताया गया है कि अग्नि में भष्म होने के बाद शरीर जिन पंच तत्वों से बना है उन पंच तत्वों में जाकर वापस मिल जाता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करउसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे के शमशान-शव दाह संस्कार, शमशान तेरा हिसाब बड़ा ही नेक है-तेरे यहां अमीर हो या गरीब सब का बिस्तर एक है। सामाजिक ढांचे में इंसानियत का विभाजन जन्म के साथ शुरू होकर मौत के बाद शमशान में, समानता का भाव, सबका बिस्तर एक से महसूस होता है।

अंबेडकर से आदिवासी ग्राम व्यवस्था की अनदेखी हुई?

सुधीर पाल

भारतीय संविधान के निर्माण के समय जब भारत अपने भविष्य की नींव रख रहा था, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक था कि लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी और कितनी विकेंद्रित होंगी। संविधान सभा में बाबा साहेब अंबेडकर ने ग्राम स्वराज या पंचायती व्यवस्था के प्रति स्पष्ट विरोध जताया था। उनका कहना था-इन गांवों में कुछ भी आदर्श नहीं है। ये लोग जातिगत भेदभाव, छुआछूत और सामाजिक अत्याचार के केंद्र हैं। गांव भारत की विकृति का स्रोत हैं, न कि उसकी शक्ति का।

कई विचारकों और आलोचकों का मानना है कि अंबेडकर ने पंचायतों का विरोध करते समय आदिवासी ग्राम व्यवस्था की वास्तविकता को नजरअंदाज किया। समता, संवाद और सामूहिकता पर आधारित आदिवासी गांवों की स्वायत और लोकतांत्रिक शासनतंत्र की संरचना से संभवतः वे परिचित नहीं थे, या उसका मूल्यांकन उनकी प्राथमिकताओं में नहीं था।

अंबेडकर ने संविधान सभा में पंचायतों को संविधान का अनिवार्य हिस्सा बनाने का विरोध किया। अंततः, पंचायतों को संविधान के नीति निदेशक तत्वों के तहत अनुच्छेद 40 में स्थान मिला, न कि मूल अधिकारों या प्रशासनिक ढांचे में। इसका अर्थ था कि पंचायतों की स्थापना राज्य सरकारों की इच्छा पर निर्भर रहेगी, और यह बाध्यकारी नहीं होगी। यह परंपरागत स्वशासन व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा दिए जाने के ऐतिहासिक पहल की भ्रूण हत्या थी।

आदिवासी समाज परंपरागत रूप से वर्णाश्रम व्यवस्था से बाहर रहा है। वहां जातिगत ऊंच-नीच की भावना नहीं है, बल्कि समता, सामूहिकता और श्रम के आधार पर सम्मान का बोध होता है। ग्राम सभा वहां न सिर्फ निर्णय लेती है, बल्कि विवाद निपटारे से लेकर सामाजिक सुरक्षा तक का केंद्र होती है। उदाहरण के लिए झारखंड के हो, मुंडा, संथाल, उरांव, बिरहोर सहित लगभग सभी समुदायों की सामूहिक हित और न्याय पर आधारित पारंपरिक ग्राम व्यवस्था यथा मुंडा-मानकी, महतो, पड़हा, मांझी, पाहन, मांझी हाड़म, परगनैत, माझी परगना जीवंत हैं और सामाजिक तथा कानूनी मान्यता है। आदिवासी ग्राम व्यवस्था का आधार भूमि, जल, जंगल पर सामूहिक स्वामित्व है। यह उस निजी संपत्ति आधारित ग्राम व्यवस्था से भिन्न है जिस पैरोकार अंबेडकर थे।

महात्मा गांधी ने जहां ग्राम स्वराज और पंचायतों को भारतीय लोकतंत्र की आत्मा माना, वहीं अंबेडकर ने इसे सामाजिक अन्याय का स्रोत बताया। गांधी का मानना था कि गांव आत्मनिर्भर और लोकतांत्रिक इकाई हो सकते हैं, जबकि अंबेडकर ने इसे ह्यअतीत की कुरीतियों का गढ़ह्न कहा। हालांकि अंबेडकर ने आदिवासी पंचायतों का प्रत्यक्ष उल्लेख कम किया लेकिन उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के लिए अलग प्रशासनिक व्यवस्था, विशेष सुरक्षा और विकास आयोग की वकालत की थी। उनका मानना था कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा की जातिवादी राजनीति से बचाकर, उन्हें स्वायत्तता और संरक्षण मिलना चाहिए। संविधान सभा में जयपाल सिंह मुंडा जैसे नेता आदिवासियों की आवाज बने थे। उन्होंने कहा था कि हम आदिवासी भारतीय सभ्यता के पहले नागरिक हैं, और हमारी सामाजिक संरचना भारत के संविधान की आत्मा के अधिक निकट है। यह वक्तव्य अंबेडकर की ग्राम व्यवस्था की आलोचना के बिलकुल विपरीत खड़ा होता है। संविधान सभा की बहस में अधिकांश सदस्यों का आग्रह था कि ग्राम स्वराज की पुरानी परंपरा के अनुसार देश के प्रशासन को चलाने का प्रावधान किया जाए। अंबेडकर ने व्यंग्य किया कि ऐसा प्रतीत होता है कि इन कथित बुद्धिजीवियों का ग्रामीण प्रेम सर चार्ल्स मेटकॉफ के भारत के गांवों का वर्णन से प्रभावी है। अंबेडकर ने कहा कि भारतीय गांवों ने भले ही विदेशी आक्रमणकारियों के हमले झेले होंगे, परंतु उन्होंने लगभग शुतुरमुर्ग की प्रवृत्ति का परिचय दिया और किसी तरह जीवित रहे भर हैं। अंबेडकर ने बेलाग होकर यह कहा कि यह कथित ग्रामीण गणतंत्र भारत की बरबादी रहे हैं।

अंबेडकर का ग्राम पंचायतों पर विरोध के संदर्भ और कारण जातिगत उत्पीड़न थे। गांवों में दलितों के साथ अपमानजनक व्यवहार, मंदिर प्रवेश निषेध, कुओं से पानी न भरने देना जैसी घटनाएं आम थीं। ब्राह्मणवादी पितृसत्ता का ग्राम व्यवस्था में सामंती वर्चस्व बना रहता था। जातिगत श्रेणीकरण के कारण सामाजिक समानता असंभव लगती थी। शोषण की संरचना में जमींदार, मुखिया या पाटिल के रूप में ऊंची जातियों का वर्चस्व था, जिससे निम्न जातियों को न्याय नहीं मिलता था। बाबा साहेब को भरोसा नहीं था कि पारंपरिक पंचायतें नए संविधान द्वारा दिए गए मूल अधिकारों का सम्मान करेंगी। लेकिन क्या यह मूल्यांकन आदिवासी गांवों पर भी लागू होता था? क्या अंबेडकर आदिवासी ग्राम व्यवस्था को समझ सके?

अंबेडकर ने आदिवासी विद्रोहों के इतिहास को लगभग नजर अंदाज कर दिया अन्यथा वे ह्यशुतुरमुर्गह्न का उदाहरण नहीं देते। बिरसा मुंडा के उलगुलान में या संथाल हूल में या ऐसे ही दर्जनों विद्रोहों में आदिवासी ग्राम व्यवस्था की केन्द्रीय भूमिका रही है। ह्यअब लड़ाई शुरू होगी, बता दूंगा. अब से गाँव-गाँव में सब तीर पठाओ। पत्ता मिले तो समझना कि धर्म की बात सुनने को बुलाया है। तीर भेजने से समझना कि मैं लड़ने के लिए बुला रहा हूँ। डॉक्टर अल्तेकर ने ह्यस्टेट एण्ड गवर्नमेंट इन ऐंशियेंट इण्डिया में लिखा है कि ह्यअति प्राचीनकाल से ही भारत में प्रशासन की धुरी गाँव रहे हैं।... इसमें सन्देह नहीं कि गाँव ही सामाजिक जीवन के केन्द्रबिन्दु और देश की अर्थव्यवस्था के प्रधान इकाई थे। राष्ट्रीय संस्कृति,समृद्धि और प्रशासन का भव्य भवन इन्हीं पर खड़ा था, इनसे ही इनको संबल प्राप्त होता था। श्री श्रीमन्नारायण ने अपने गान्धीयन कांस्टीट्यूशन के पृष्ठ ४६-४७ में सर चार्ल्स ट्रेवलीन लिखते हैं-एक के बाद एक विदेशी आक्रमण-कारी भारत में आते और जमते रहे, किन्तु कुश की भाँति ग्राम-पालिका-समितियाँ अपने स्थान पर डटी रहीं। सर जॉर्ज बर्डउड ने लिखा है कि संसार के किसी भी देश में भारत जितनी धार्मिक और राजनीतिक क्रान्तियाँ नहीं हुई हैं, फिर भी ग्राम-समितियों के कार्यों पर कोई आँच नहीं आयी।

मोदी जी जनता के दिलों पर राज करते हैं

सीए अखिलेश जैन

उतार-चढ़ाव से भारी भारतीय राजनीति में वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विशेष स्थान है या मोदीजी की कार्यशैली ने मोदीजी का भारतीय राजनीति के साथ-साथ विश्व के राजनैतिक मंच पर अपना विशेष स्थान बना लिया है। यह 140 करोड़ लोगों के लिए बहुत गर्व की, बहुत बड़े सम्मान की बात है। और विशेष स्थान हो भी क्यों नहीं? 140 करोड़ भारतवासियों का देश जिसमें अनेकों धर्म, भाषा, रहन-सहन, भोजन, पूजन पद्धति से लेकर वेशभूषा, आय के साधनों तक में भारी अंतर है, इतने अंतरों के बाद भी सबका नेता एक - नरेंद्र मोदी, अर्थात सभी मान्यताओं में फर्क के बाद भी नेता के मुद्दे पर पूरा देश एक साथ मोदी जी के साथ खड़ा है।

12 वर्ष का गुजरात के मुख्यमंत्री का कार्यकाल व 11 वर्ष का भारत के प्रधानमंत्री का कार्यकाल अपने आप में बहुत कुछ कहता है। निश्चित रूप से मोदी जी भारतीय जनता पार्टी के नेता हैं। पर मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री पार्टी का नहीं राज्य का, देश का होता है। तुष्टिकरण, परिवारवाद, भ्रष्टाचार, लिंग भेद, भाषा भेद, राज्य भेद जैसी संकुचित विचारधाराओं से ऊपर उठकर कार्य करने वाले प्रधानमंत्री के लिए 140 करोड़ लोगों का देश एक है, अपना घर है। भारत के पूर्व से पश्चिम तक, उत्तर से दक्षिण तक के लिए प्रधानमंत्री जी के निर्णयों में एकरूपता है। देश को बांटने वाली बाधाओं को मोदी जी ने ही खत्म किया है। यह मोदी जी का ही निर्णय है जिसके कारण मुस्लिम बहनों को तीन तलाक की तलवार से हमेशा-हमेशा के लिए मुक्ति मिली। देश को सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास का महामंत्र मिला। देश के गरीब नागरिक, जिनके लिए बैंक के दरवाजे हमेशा बंद थे, मोदी जी के राज में न केवल बैंक उनके घर गई बल्कि बैंक खातों में सरकार ने आपदा में राशि भी पहुंचाई। पहली बार देश ने आत्मनिर्भर भारत मेक इन इंडिया का सपना साकार होते देखा। देश के करोड़ों गरीबों को पक्की छत मिली। पहली बार महिलाओं को लोकसभा-विधानसभा में आरक्षण सुनिश्चित हुआ। पहली बार राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला। पहली बार गरीब का इलाज सुनिश्चित हुआ। पहली बार एक देश-एक कर व्यवस्था लागू हुई। पहली बार जम्मू-कश्मीर के विकास में बाधक बेड़ियों को हटाया गया। पहली बार देश ने हर गांव तक बिजली पहुंचाने के संकल्प को पूरा करने में सफलता पाई। पहली बार देश ने भाई भतीजावाद, तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार से मुक्त सरकार को आजमाया। पहली बार देश ने आतंकवाद पर कड़ा प्रहार देखा। पहली बार देश ने रक्षा उत्पादन में आयात को निर्यात में बदलते देखा। पहली बार देश ने अर्थव्यवस्था को छलांग लगाते हुए देखा। पूरे विश्व में भारतीयों ने भारतीय होना गौरव की बात है, अनुभव किया। इस तरह आप देखेंगे कि मोदी जी ने हर वह काम किया जिसका देश की जनता को मोदी जी से आशा,अपेक्षा व विश्वास था। पर मोदीजी ने तो जनता की आशा, अपेक्षा व विश्वास की सीमाओं से परे जाकर काम किया।

आज का राशिफल

मेष आज भाग्य साथ दे रहा है और कार्यक्षेत्र में कुछ सकारात्मक बदलाव आपके पक्ष में होंगे।

तुला लाभ होगा और आपको शिक्षा, प्रतियोगिता और करियर में नए अवसर मिलने का दिन है।

वृषभ आज दिन शुभ है और अधिकांश समय पारिवारिक संतुलन और आनंद में व्यतीत होगा।

वृश्चिक आज लाभ होगा और आपकी आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत रहेगी।

मिथुन जहां उच्चाधिकारी और पिता का सहयोग किसी बड़ी सफलता का द्वार खोल सकता है।

धनु घर की सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी और घरेलू वस्तुओं की खरीद पर खर्च हो सकता है।

कर्क व्यापार में अचानक बड़ा लाभ मिलने के योग हैं। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर आज भाग्य साथ दे रहा है और आपको कारोबार में मनचाहा लाभ होने की संभावना है।

सिंह आज भाग्य साथ दे रहा है। आपके लिए करियर में प्रगति और मान-सम्मान मिलने का दिन है।

कुंभ संपत्ति से जुड़े मामले में सावधानी बरतें। क्रय-विक्रय करते कानूनी पक्ष को ध्यान से समझें।

कन्या करियर में पुराने प्रयासों का फल मिलेगा और व्यवसाय में वृद्धजनों या वरिष्ठों से सहयोग लाभकारी रहेगा।

मीन सम्मान से भरा होगा। व्यापार में सकारात्मक प्रगति और नई योजनाओं का विस्तार होगा।

विशेष

दोनों नेताओं के विवाद से नाराज हैं, राहुल गांधी?

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्ध रमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिव कुमार चार दिन तक दिल्ली में डेरा डाले हुए थे। कांग्रेस सुप्रीमो राहुल गांधी से दोनों नेताओं की भेंट नहीं हुई। राहुल गांधी ने उन्हें मिलने का समय नहीं दिया। दोनों नेता राहुल गांधी से मिलने के लिए दिल्ली में टिके हुए थे। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह के साथ बैठक थी। वह कार्यक्रम पहले ही दिन निपट गया था। कांग्रेस महासचिव रणजीत सुरजेवाला से मिलकर ही दोनों नेताओं को चार दिन इंतजार करने के बाद वापस बेंगलुरु लौटना पड़ा।

पप्पू और कन्हैया कुमार छाए

9 जुलाई को बिहार के पटना में चक्का जाम कार्यक्रम था। इसमें कांग्रेस सुप्रीमो राहुल गांधी पहुंचे थे। जिस ट्रक में वह सवार थे। उस ट्रक में पप्पू यादव और कन्हैया कुमार को सुरक्षा कर्मियों ने नहीं चढ़ने दिया। राहुल गांधी की सुरक्षा व्यवस्था में पहले नाम देना पड़ते हैं। मंजूरी मिलने के बाद ही सुरक्षा कर्मी उन्हें उनके पास तक पहुंचने देते हैं। पप्पू यादव और कन्हैया कुमार का नाम क्यों नहीं था। था तो किसने कटवाया, नाम था या नहीं था। इसको लेकर तरह-तरह की अटकलें लग रही हैं। गोदी मीडिया को 9 जुलाई के कार्यक्रम को अलग रंग देना था। उसे मसाला मिल गया। बिहार की राजनीति में अब पप्पू यादव और कन्हैया कुमार ही चल रहे हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव दोनों चुप हैं। तेजस्वी यादव बिहार की राजनीति में दोनों को पसंद नहीं करते हैं। जिसके कारण गोदी मीडिया ने इसे चर्चा का विषय बना लिया।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1647: स्पेन के खिलाफ नेपल्स विद्रोह के नेता मैनानटेलो की हत्या हुई. 1856: ईश्वरचंद्र विद्यासागर के आग्रह पर लार्ड कैनिंग ने विधवा विवाह को वैधता प्रदान की. 1918: रूस में जार निकोलस द्वितीय और उनके परिवार की हत्या बोलशेविको ने की. 1925: बगदाद में इराकी संसद की पहली बैठक हुई. 1945: अमरीका ने न्यू मैक्सिको में परमाणु बम का पहला विस्फोट किया. 1951: बेल्जियम नरेश लियोपोल्ड तृतीय ने गद्दी छोड़ी. 1976: इंडोनेशिया ने ईस्ट तिमोर को अपना 27वां प्रांत बनाया. 1979: सद्दाम हुसैन ने इराक के राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला. 1981: भारतीय उपग्रह एप्पल को कक्षा में स्थापित किया गया. 1990: फिलीपींस में भूकंप से सोलह सौ से अधिक लोग मारे गए. 1992: डॉ. शंकर दयाल शर्मा भारत के नवें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

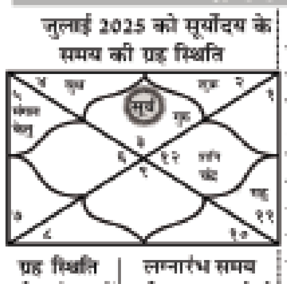

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.30 बजे से
चंद्र	मीन में	सिंह	07.46 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	09.58 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.08 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.23 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.39 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.44 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.31 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.04 बजे से
राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक		मेष	23.34 बजे से
		वृष	01.14 बजे से
		मिथुन	03.12 बजे से

2025 वर्ष का 197 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ़) **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 21.02 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 05.47 बजे तदनन्तर उत्तराभाद्रपदा 4.51 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** शोभन 11.57 बजे को समाप्त। **करण** गर 09.53 बजे तदनन्तर वणिज 21.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 20.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 21'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872407
जूलियन दिन 2460872.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 20
विशेष कर्क संक्रांति।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभव श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फैशन इंडस्ट्री में आपको चाहिए क्रिएटिविटी और आर्ट से अधिक स्किल्स

आज के फैशन इंडस्ट्री में आपको क्रिएटिविटी और आर्ट से अधिक स्किल्स चाहिए। फैशन इंडस्ट्री में लगभग 3,400 मिलियन लेबर फोर्स जुड़ा है। फैशन इंडस्ट्री में बढ़ती डिमांड के कारण इस क्षेत्र में करियर के ऑप्शन भी बढ़ रहे हैं। लेकिन इस इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको क्रिएटिविटी और आर्ट के अलावा भी कई ऐसे स्किल्स हैं जिसकी मदद से बेहतर करियर बनाया जा सकता है। आइए इस विषय पर चर्चा करते हैं।

बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स

एक सफल कोलॉबोरेशन के लिए एक फैशन डिजाइनर के रूप में अपने करियर को एक नए लेवल पर विस्तारित करने के लिए बेहतर कम्यूनिकेशन की आवश्यकता होती है। अपने विचारों को साझा करना, विचार एकत्र करना और आलोचना करना उचित और उचित संचार पद्धति के साथ-साथ चलते हैं।

इफेक्टिव नीडल वर्क

एक फैशन डिजाइनर के रूप में, सिलाई सबसे बुनियादी स्किल्स में से एक बन जाती है। एक डिजाइनर के रूप में आपको अपने द्वारा डिजाइन किए गए कपड़े बनाने में सक्षम होना चाहिए। सब कुछ पूरी तरह से जुड़ जाता है जब आप एक शुरुआत के रूप में अपने डिजाइनों को शीट से बाहर लाने में शामिल तरीकों के अनुभवी ज्ञान की भावना विकसित करने के लिए कर सकते हैं।

अच्छे शैक्षणिक संस्थान

अगर फैशन डिजाइनर बनना होगा है आपकी जड़ें मजबूत होनी चाहिए। फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करने से पहले यह जरूर चेक कर लें कि कौन-सा शैक्षिक संस्थान आपके लिए सबसे बेहतर होगा। इस विषय में इंटरनेट पर सारी जानकारियां मिल जाएंगे।

सहयोगात्मक और टीम स्किल्स

एक फैशन डिजाइनिंग के स्टूडेंट के रूप में टीम स्किल्स बहुत आवश्यक हो जाता है। फैशन डिजाइनिंग ड्रेस डिजाइन करने के अलावा और भी बहुत कुछ है। इसके लिए ऐसे लोगों के साथ एक टीम की आवश्यकता होती है जो समस्या-समाधान को संभाल सकें, मुद्दों का समाधान कर सकें, एक दूसरे के साथ सहयोग कर सकें।

बीबीए यानि बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन आजकल विद्यार्थियों में खासा लोकप्रिय कोर्स है। यह मैनेजमेंट में अपना करियर बनाने की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए ही बना है

बीबीए के बाद दें अपने सपनों को नई उड़ान

अन्य क्षेत्रों की तरह ही इस क्षेत्र में वेतन पैकेज किसी व्यक्ति की क्षमताओं पर निर्भर करता है, लेकिन कोई भी प्रति माह 8000 से 30000 के बीच पैकेज की अपेक्षा कर सकता है। जिसमें सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिसर्च असिस्टेंट, ऑफिसर, असिस्टेंट मैनेजर, इवेंट मैनेजर या फिर फाइनेंसियल एनालिस्ट के रूप में आपको नौकरी मिल सकती है।

मैनेजमेंट में पोस्टग्रेजुएट डिग्री

जैसे कि आप सभी जानते होंगे, बीबीए एमबीए की नींव रखता है। यह वास्तव में, एमबीए के लिए जरूरी कदम माना जा सकता है। दूसरे छात्रों के मुकाबले मैनेजमेंट से ग्रेजुएशन करने वाले छात्र के लिए एमबीए करना आसान हो जाता है क्योंकि उसे पहले से मैनेजमेंट के मूल सूत्रों के बारे में ज्ञान रहता है। बीबीए के बाद आप या तो एमबीए या पीजीडीएम कर सकते हैं। दोनों ही प्रोफेशनल पाठ्यक्रम हैं और आपको बिजनेस और मैनेजमेंट स्किल्स के बारे में ज्ञान प्रदान करते हैं। एक छात्र पोस्ट-ग्रेजुएशन स्तर पर अपनी पसंद के किसी विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञ भी हो सकता है और भविष्य की करियर संभावनाओं को बढ़ा सकता है।

कॉर्पोरेट क्षेत्र में विकल्प

बीबीए करने के बाद एक छात्र के पास बहुत सारे विकल्प रहते है, वो कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी अपनी सफलता का परचम फैला सकता है और एक अच्छे वेतन के साथ नौकरी प्राप्त कर सकता है। इस कोर्स की बहुमुखी प्रकृति के कारण नौकरी के अवसर भी बहुमुखी होते है- जैसे कि फायनेंस, मार्केटिंग या फिर ऑपरेशन्स डिपार्टमेंट, साथ ही ह्यूमन रिसोर्स एग्जीक्यूटिव (मानव संसाधन कार्यकारी) के रूप में भी काम कर सकता हैं। इस कोर्स की खास बात ये भी है कि ये एक प्रोफेशनल कोर्स है और इसलिए विद्यार्थियों का प्लेसमेंट कॉलेज कैंपस में भी हो सकता है क्योंकि विभिन्न कम्पनियाँ कॉलेज में से ही नौकरी के लिए उम्मीदवार खोजती है।

एक बिजनेसमैन बने

आजकल स्टार्टअप का जमाना है, जहाँ एक समय था जब लोग नौकरी कि चाह रखते थे वही आज बिज़नेस करने का मन रखने वाले युवाओं की गिनती भी लगातार बढ़ रही है। ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र अपने आपको एक उद्यमी के रूप में देखना पसंद कर रहे है। बीबीए के एक छात्र को व्यवसाय से संबंधित ज्ञान दिया जाता है, जो उसे सफलतापूर्वक व्यवसाय चलाने के लिए आवश्यक कौशल हासिल करने में मदद करता है। नेतृत्व और संचार कौशल पर अत्यधिक ध्यान देने के कारण, छात्र सही निर्णय लेने और उद्यमी के रूप में अपना व्यवसाय को सफल बनाने में सक्षम हो जाता है।

सरकारी क्षेत्र में कार्य

आईबीपीएस, एसबीआई और अन्य बैंक परीक्षाओं जैसी कई प्रतिष्ठित सरकारी परीक्षाएं बैंकिंग और व्यवसाय के ज्ञान पर जोर देती हैं। बीबीए में डिग्री के साथ, आप इन परीक्षाओं को आसानी से उत्तीर्ण कर सकते हैं। एक बीबीए छात्र को पाठ्यक्रम के दौरान बैंकों, उनके कामकाज और विभिन्न व्यापार-संबंधी मामलों के बारे में जानकारी दी जाती है, इसलिए एक मैनेजमेंट का छात्र निश्चित रूप से अन्य छात्रों के मुकाबले इस क्षेत्र में भी अव्वल हो सकता है।

विदेशी दूतावासों में नौकरी

विभिन्न विदेशी दूतावासों को मैनेजमेंट की डिग्री वाले छात्रों की आवश्यकता होती है। छात्र एक विदेशी भाषा सीख सकते हैं और उस विशेष दूतावास में काम पर जा सकते हैं। छात्र टीओईएफएल या आईईएलटीएस जैसी परीक्षाएं भी दे सकते हैं और आगे के अध्ययन के लिए विदेश में जा सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग क्षेत्र

बीबीए की डिग्री के साथ छात्र डिजिटल मार्केटिंग क्षेत्र में भी अपने हाथ आजमा सकते है, इस क्षेत्र में अभी अपार संभावनाएं है। सोशल मीडिया और डिजिटलीकरण ने इस क्षेत्र में नौकरियों का भंडार लगा दिया है। आज विभिन्न मार्केटिंग और बिज़नेस स्किल्स को अपना लोग अपने व्यवसाय को नयी उच्चाइयों पर ले जा रहे है और इसलिए ही इस क्षेत्र में एक बीबीए के छात्र को आसानी से रोजगार के अवसर मिल सकते है। बुनियादी ज्ञान और अच्छे लेखन कौशल होने से आप इस नए पेशे में अपने करियर को तेजी से बना सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से, आप किसी भी कंपनी की छवि को बदलने और बिज़नेस और मार्केटिंग के लिए रणनीति बना सोशल मीडिया का स्मार्ट उपयोग कर सकते हैं। इन दिनों प्रचलित नौकरियों में कंटेंट राइटिंग और क्रिएटिव राइटिंग जैसे कई अन्य विकल्प भी शामिल हैं, जिनसे आप विज्ञापन एजेंसियों और दूसरी कंपनियों के लिए लिख कर पैसा कमा सकते है।

अन्य विशेष कोर्स में करियर

मैनेजमेंट में डिग्री कर एक छात्र अन्य पाठ्यक्रमों जैसे होटल मैनेजमेंट और टूरिज्म में भी विशेष डिग्री कर अपना करियर बना सकता है। इसके अलावा विद्यार्थी चार्टर्ड अकाउंटेंट भी बन सकते हैं, जिसके लिए उसके तीन चरणों को उत्तीर्ण करना होगा। एक छात्र चाहे तो कई सर्टिफिकेशन कोर्स भी कर सकता है - जैसे की प्रमाणित विश्लेषक कार्यक्रम (सीसीएपी), फायनेंस में एग्जीक्यूटिव कोर्स या रिस्क मैनेजमेंट में डिग्री कर भी करियर बना सकता है। इसलिए, बीबीए के बाद कई विकल्प हैं, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि आपकी रुचि कहाँ है। अपने विकल्पों का मूल्यांकन करें, अपनी रुचियों का आत्म निरीक्षण करें और आगे का सबसे अच्छा तरीका चुनें।

कुछ अलग क्षेत्र

एक अलग क्षेत्र का चयन करना उन छात्रों के लिए अच्छा तरीका हो सकता है, जिनकी बिज़नेस और मैनेजमेंट क्षेत्र से बाहर निकलने की इच्छा है क्योंकि उनका पाठ्यक्रम के दौरान या बाद में कोर्स में रुचि नहीं थी। मास कम्युनिकेशन, ट्रेवल एंड टूरिज्म जैसे कार्यक्रम ग्रेजुएशन के ज्ञान का उपयोग कर और नया ज्ञान दे, एक छात्र के करियर को नयी दिशा दे सकते है। बिज़नेस जर्नलिज्म, मास कम्युनिकेशन करने के बाद एक अच्छा क्षेत्र है, जो एक छात्र को अपने दोनों पाठ्यक्रमों के ज्ञान का उपयोग करवाएगा।

खेल में करियर बनाने के लिए जरूरी हैं ये बातें

पिछले कुछ वर्षों से भारत में क्रिकेट के साथ-साथ टेनिस, हॉकी, कबड्डी, फुटबॉल आदि खेलों में भी युवाओं की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। आउटडोर व इनडोर खेले जाने वाले ऐसे तमाम स्पोर्ट्स हैं, जिनमें से आप अपनी पसंद के अनुसार किसी एक को चुनकर उसे अपना पैशन बना सकते हैं। अगर आप किसी खेल के दीवाने हैं, दिन-रात हर समय आंखों के सामने वही छाया रहता है, तो फिर अपने इस शौक को जुनून बनाने से पीछे न हटें। घर-परिवार को कनविंस करें, स्कूल-कॉलेज या क्लब की टीम में शामिल हों और हर मोर्चे पर सक्रिय रहते हुए अपनी अलग पहचान बनाएं। कुछ नया और अलग करने का प्रयास करके ही आप दूसरों की नजरों में आ सकते हैं और लगातार आगे बढ़ने का मौका हासिल कर सकते हैं। जरूरी नहीं कि आप क्रिकेट ही खेलें, आप अपनी पसंद के अनुसार हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, टेनिस, तीरंदाजी, बॉक्सिंग, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग आदि जैसे खेल या फिर शतरंज, टेबल टेनिस आदि जैसे इनडोर गेम्स को भी चुन सकते हैं।

आम से बनें खास

सचिन तेंडुलकर से लेकर महेंद्रसिंह धोनी और विराट कोहली तक तमाम खिलाड़ी सामान्य मध्यमवर्गीय परिवारों से निकले हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और जज्बे से दुनिया भर में देश का नाम रोशन किया। मगर ये युवा कामयाबी के शिखर पर इसलिए पहुंच पाए, क्योंकि इन्होंने जिस खेल को पसंद किया, उसमें पूरी तरह डूब गए। दिन-रात सीखते रहने के जज्बे से वे बिना रुके लगातार आगे बढ़ते गए। जिसके घर-परिवार, माता-पिता को शायद पूरा शहर भी नहीं जानता था, उसे देश क्या, दुनिया जानने पहचानने लगी। आप भी जो खेल पसंद करें, अगर उसमें अपनी पहचान बनाना चाहते हैं, तो उसे आधे-अधूरे मन से खेलने या टाइम-पास करने के बजाए रणनीति बनाकर उसमें आगे बढ़ें। माता-पिता को इसके लिए सहमत करें। आपकी प्रतिभा देख वे भी आपको आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

अति-आत्मविश्वास नहीं

तैयारी की दिशा में आगे बढ़ते हुए आपकी नजर हमेशा लक्ष्य पर होनी चाहिए। जरूरी नहीं कि लक्ष्य हमेशा एक ही रहे। एक उपलब्धि पाने के बाद स्वाभाविक रूप से आपका लक्ष्य उससे बड़ा हो जाता है। हां, एक बात हमेशा गांठ बांधकर रखें- अपनी उपलब्धियों को लेकर कभी भी अति-आत्मविश्वासी न हों। उपलब्धियों पर खुश जरूर हों लेकिन खुशी को कभी भी गुरूर न बनने दें।

सीखने को रहें तत्पर

किसी भी क्षेत्र में कभी कोई शत-प्रतिशत पूर्ण या पारंगत नहीं होता। ऐसे में सीखने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। आप किसी से भी सीख सकते हैं, फिर वह उम्र में आपसे बड़ा हो या छोटा। हो सकता है कि प्रतिद्वंद्वी टीम या उसके खिलाड़ी से आपको कुछ सीखने को मिल जाए। आप तभी सीख सकते हैं, जब आप इसके लिए उत्सुक रहेंगे। अपना दिमाग, आंखें और कान खुले रखेंगे।

हार से सबक

हो सकता है कि आप कभी किसी टीम या खिलाड़ी से बार-बार हार रहे हों। इससे आपकी हताशा बढ़ रही हो। आप अपना प्रदर्शन सुधारने के लिए जितना परेशान होते हैं, परिणाम और बुरा होता जाता है। अगर कभी ऐसा होता है, तो चिंतित होने के बजाए सबसे पहले यह सोचें कि आखिर आपसे चूक कहां हो रही है। आखिर ऐसी कौन-सी कमजोरी है, जिसका फायदा प्रतिद्वंद्वी को मिल रहा है? उस कमजोरी को तलाशें और थोड़ी अतिरिक्त मेहनत करके उस पर काबू पाएं। हो सके, तो इस बारे में किसी कोच या सीनियर खिलाड़ी की मदद भी लें।

पढ़ाई भी साथ-साथ

ऊपर के बदले हुए मुहावरे के अनुसार बेशक आज खिलाड़ी नाम कमाने के साथ-साथ खूब पैसा भी कमा रहे हैं लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि आप पढ़ाई को पूरी तरह भूलकर खेल में रम जाएं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने और हर तरह के लोगों से स्मार्ट कम्युनिकेशन के लिए एक स्तर तक पढ़ाई भी बेहद जरूरी होती है। आप देखेंगे कि दुनिया के तमाम सफल खिलाड़ी खेलों में जोरदार प्रदर्शन के साथ-साथ अपनी बातों को भी बेहद कुशलता के साथ सामने रखते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि आप अपनी पसंद के खेल को समय देने के साथ-साथ पढ़ाई पर भी ध्यान दें।

एचडीएफसी की बोर्ड बैठक 19 को

● बोनस शेयर और विशेष लाभांश पर होगी चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। एचडीएफसी बैंक ने 19 जुलाई को होने वाली बैठक में बोनस शेयर और विशेष अंतरिम लाभांश जारी करने का फैसला करेगा। बैंक ने बुधवार को यह जानकारी दी। इससे पहले 23 जून को बैंक ने घोषणा की थी कि उसका बोर्ड चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के वित्तीय परिणामों पर विचार करने और उन्हें मंजूरी देने के लिए 19 जुलाई को बैठक करेगा। बोनस शेयर का मतलब है, एक कंपनी द्वारा अपने मौजूदा शेयरधारकों को बिना किसी अतिरिक्त लागत के दिए जाने वाले अतिरिक्त शेयर। इसे कंपनी अपने मुनाफे को शेयरधारकों के साथ बांटने के तरीके के रूप में इस्तेमाल करती है। विशेष अंतरिम लाभांश का मतलब है, कंपनी द्वारा अपने शेयरधारकों को वित्तीय वर्ष के दौरान, सामान्य लाभांश के अतिरिक्त, एक विशेष भुगतान करना। यह भुगतान आमतौर पर कंपनी के असाधारण लाभ या किसी विशेष घटना के कारण किया जाता है।

- **बीएसई पर शेयर उच्च स्तर पर पहुंचे–** इस घोषणा के बाद बीएसई पर बैंक के शेयर सुबह के कारोबार में 1.33 प्रतिशत बढ़कर 2,021.90 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गए।
- **अग्रिम वृद्धि उद्योग के बराबर करने का लक्ष्य–** बुधवार को एक नियामक फाइलिंग में, एचडीएफसी बैंक ने कहा कि उसका बोर्ड वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बैंक के इक्विटी शेयरों पर एक विशेष अंतरिम लाभांश की घोषणा के प्रस्तावों पर भी विचार करेगा। साथ ही बैंक के शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन बोनस शेयर जारी करेगा।

एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ शशिधर जगदीशन ने वित्त वर्ष 2025 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा था कि बैंक को विश्वास है कि चालू वित्त वर्ष में उसकी अग्रिम वृद्धि उद्योग के बराबर होगी और अगले वर्ष यह इससे आगे निकल जाएगी।

- **मार्च में शुद्ध लाभ में आई 10.7 प्रतिशत की वृद्धि–** मार्च 2025 तक बैंक का शुद्ध लाभ 10.7 प्रतिशत बढ़कर 67,347.4 करोड़ रुपये हो गया और बैलेंस शीट 8 प्रतिशत बढ़कर 39.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई।

एक ही दिन में 51 प्रतिशत गिर गया अशोक लेलैंड का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। अशोक लेलैंड शेयर के आज बुधवार को कारोबार के दौरान फोकस में रहे। अशोक लीलैंड के शेयरों का मूल्य बुधवार को लगभग 51 प्रतिशत घटकर आधा रह गया, जो 250.85 रुपये से घटकर 123.95 रुपये रह गया। इस कदम ने कई निवेशकों को चौंका दिया होगा। लेकिन यह भारी गिरावट बाजार में भारी गिरावट नहीं है; यह कंपनी के 1:1 बोनस इश्यू का नतीजा है, जो आज से प्रभावी हुआ है और जिसने शेयरधारक होल्डिंग्स के मूल्य को प्रभावित किए बिना शेयर की कीमत को तदनुसार समायोजित किया है। कंपनी के शेयर में आज 2 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। कंपनी के शेयर 122.80 रुपये पर आ गया था। बता दें कि कंपनी ने रिकॉर्ड डेट यानी आज शेयरधारकों द्वारा धारित प्रत्येक एक शेयर के बदले एक बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की थी।

क्या है डिटेल

इसका मतलब है कि मंगलवार को बंद होने तक शेयरधारकों के डीमैट खाते में जितने शेयर थे, उन्हें समान अनुपात में बोनस शेयर जारी किए जाएंगे। उदाहरण के लिए, यदि किसी शेयरधारक के पास अशोक लीलैंड के 20 शेयर हैं, जिनका मूल्य 4,000 है, तो अब वे 40 शेयरों में बदल जाएंगे (1:1 के अनुपात में समायोजित), लेकिन मूल्य वही रहेगा।

14.2 लाख छोटे रिटेल शेयरधारक हैं

मार्च तिमाही के अंत में अशोक लीलैंड के लगभग 14.2 लाख छोटे रिटेल शेयरधारक थे, यानी जिनकी अंतर्निहित शेयर पूंजी 2 लाख तक थी। 31 मार्च, 2025 तक इन शेयरधारकों के पास कंपनी में 9.38 प्रतिशत हिस्सेदारी थी।

हर महीने 50000 रुपये से कम कमाने वाले 93 प्रतिशत वेतनभोगी क्रेडिट कार्ड पर निर्भर

स्वरोजगार वाले 85 फीसदी

नई दिल्ली, एजेंसी। कम कमाईकरने वाले लोगों की क्रेडिट कार्ड पर निर्भरता बढ़ रही है। थिंक 360 डॉट एआई के एक अध्ययन में कहा गया है, हर महीने 50,000 रुपये से कम कमाने वाले लगभग 93 फीसदी वेतनभोगी इस प्लास्टिक मनी पर निर्भर हैं। वहीं, स्वरोजगार वाले 85 फीसदी व्यक्ति भी क्रेडिट कार्ड पर निर्भर हैं। मंगलवार को जारी अध्ययन के मुताबिक, 'अभी खरीदें और बाद में भुगतान करें' (बीएनपीएल) सेवाओं का इस्तेमाल 18 फीसदी स्वरोजगार और 15 फीसदी वेतनभोगी व्यक्ति करते हैं। यह अध्ययन 20,000 से अधिक वेतनभोगी और स्वरोजगार वाले व्यक्तियों के वित्तीय व्यवहार के विश्लेषण पर आधारित है।

थिंक 360 डॉट एआई के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमित दास ने कहा, भारत के विकसित होते कर्ज परिदृश्य में क्रेडिट कार्ड और बीएनपीएल अब वेतनभोगी पेशेवरों से लेकर अस्थायी कर्मियों तक सभी के लिए जरूरत बन गए हैं। फिनटेक कंपनियों के बढ़ते प्रभाव का उल्लेख करते हुएअध्ययन में कहा गया है कि ये कंपनियां भारत की डिजिटल ऋण क्रांति का नेतृत्व कर रही हैं। फिनटेक कंपनियों ने वित्त वर्ष 2022-23 में 92,000 करोड़ रुपये से अधिक के व्यक्तिगत कर्ज वितरित किए, जो मात्रा के हिसाब से सभी नए कर्ज का 76 फीसदी है।

रिलायंस या जियो के नकली ट्रेडमार्क वाले प्रोडक्ट को हटाइए

अमेजन-फ्लिपकार्ट पर दिल्ली हाईकोर्ट सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने रिलायंस और जियो के नकली ट्रेडमार्क को लेकर एक अहम आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन और फ्लिपकार्ट से नकली ट्रेडमार्क को अपने प्लेटफॉर्म पर जगह नहीं देने के लिए कहा है। न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने आदेश दिया कि रिलायंस और जियो के ट्रेडमार्क का उल्लंघन करने वाले सभी उत्पादों के

निर्माण और उनके विज्ञापनों पर भी रोक लगा दी जाए।

क्या है मामला

दरअसल, कई ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर रिलायंस और जियो के ट्रेडमार्क से मिलते-जुलते नामों और कंपनी-लोगो का इस्तेमाल करके, उत्पादों को बेचा जा रहा था। रिलायंस और जियो की साख का फायदा उठाकर ये कंपनियां ग्राहकों के भरोसे से खेल रही थीं। कोर्ट ने रिलायंस की दलीलों से सहमति जताते हुए कहा कि ऑनलाइन अथवा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से बेचे जाने वाली उपभोक्ता वस्तुओं की पहचान के लिए ग्राहक ब्रांड नाम और कंपनी-लोगो पर निर्भर करते हैं।

छोटे से शहर से निकलकर ऐसी की तरक्की कि लोग देखते रह गए

अब 280 करोड़ के टर्नओवर वाला कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के एक छोटे से शहर भिलाई से निकलकर राहुल सिंह ने असाधारण सफलता हासिल की है। वह मध्यमवर्गीय परिवार से हैं। उन्होंने सरकारी स्कूल में पढ़ाई की है, जहां पंखे जैसी बुनियादी सुविधाएं भी अक्सर नहीं होती थीं। उन्होंने अरविंद गणेशन के साथ मिलकर इकोसोल होम की स्थापना की। यह इको-फ्रेंडली प्रोडक्ट ब्रांड है जिसने अपनी शुरुआत से सिर्फ तीन सालों में ही 280 करोड़ रुपये का टर्नओवर हासिल किया। कंपनी बांस और ताड़ के पत्तों से प्रोडक्ट बनाती है। यह कहानी न केवल उद्यमशीलता की भावना को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि कैसे एक व्यक्ति अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सकारात्मक

प्रभाव डाल सकता है। आइए, यहां राहुल सिंह की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

अमेरिका में कई बड़ी कंपनियों में की नौकरी – 2001 में 12वीं कक्षा पूरी करने के बाद राहुल ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सूरत से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया और 2005 में ग्रेजुएट हुए। इसके बाद उन्होंने ङ्मस्नह्ल - जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, जमशेदपुर से एमबीए किया। 2008 से 2019 तक उन्होंने अमेरिका में कई बड़ी कंपनियों के साथ काम करते हुए एक सफल कॉर्पोरेट करियर बनाया। बोस्टन में एक प्रसिद्ध ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म वेफेयर में वह टॉप लेवल तक पहुंचे। वेफेयर में काम करते हुए राहुल और उनके सहयोगी अरविंद गणेशन ने टिकाऊ उत्पाद श्रेणियों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी दौरान, उन्होंने पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के लिए एक विशाल बाजार की मांग को पहचाना। यही इकोसोल होम के विचार का जन्म था। अरविंद गणेशन के पास ड्यूक यूनिवर्सिटी से एमबीए और उत्पाद प्रबंधन, मार्केटिंग तथा सप्लाई चेन ऑपरेशंस में 15 से ज्यादा वर्षों का अनुभव है।

नौकरी छोड़ने का बड़ा जोखिम लिया

अपने बड़े सपने को पूरा करने के लिए राहुल और अरविंद ने अपनी आरामदायक और सुरक्षित कॉर्पोरेट नौकरी छोड़ दी। अगस्त 2020 में उन्होंने 4 करोड़ रुपये की शुरुआती पूंजी के साथ इकोसोल की शुरुआत की। यह पैसा उनकी अपनी बचत और परिवार व दोस्तों के सहयोग से आया था। राहुल ने तो अपने सपनों को पंख देने के लिए न्यूयॉर्क में अपना घर भी बेच दिया। 2021 में वह भारत में मैन्यूफैक्चरिंग पहलुओं की देखरेख के लिए नोएडा चले गए। शुरुआती दिनों में उन्हें भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। फंडिंग की कमी इतनी थी कि वह 14 महीने तक वेतन नहीं ले पाए। राहुल और उनके परिवार को अपनी पहली फंडिंग मिलने तक फर्श पर सोना पड़ा था, क्योंकि उत्पादों और पैकेजिंग बॉक्स से उनके न्यूयॉर्क स्थित घर का बेडरूम और किचन भर गया था। उनकी प प्रतिशती प्रियंका ने भी शुरुआत से ही कंपनी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

चुनौतियों का समाधान किया पेश

राहुल और उनकी टीम इकोसोल में सिर्फ एक व्यवसाय का निर्माण नहीं कर रहे हैं, बल्कि स्थिरता की दिशा में एक आंदोलन का नेतृत्व कर रहे हैं। वे स्थायी उत्पादों के बाजार में तीन मुख्य चुनौतियों का सामना कर रहे हैं- जागरूकता, सामर्थ्य और उपलब्धता। राहुल का मानना है कि महामारी ने पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के बारे में जागरूकता को तेज किया है। लेकिन, इन उत्पादों का महंगा होना एक चुनौती बनी हुई है। इससे लोग सस्ते प्लास्टिक उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं। इकोसोल ने बड़े पैमाने पर उत्पादन और किसानों से सीधे कच्चे माल की सोर्सिंग करके इस चुनौती का समाधान किया है। इससे बिचौलियों का कमीशन कम हो गया है। उनके ब्रांड ने लाखों सिंगल-यूज प्लास्टिक को बदलकर, 3600 पेड़ों को बचाकर और गन्ने की खोई का उपयोग करके पर्यावरण पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। राहुल का स्थिरता के प्रति जुनून उनकी सांस्कृतिक विरासत से भी जुड़ा है, जहां भारतीय पारंपरिक रूप से एक पर्यावरण-अनुकूल जीवन जीते थे।

अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा ट्रंप की नीतियों का असर, महंगाई और रोजगार पर बढ़ रहा दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के छह महीने पूरे होते-होते उनकी नीतियों का असर अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। एक तरफ टैरिफ की अफरा-तफरी भरी घोषणाओं की वजह से दुकानों पर सामानों के दाम बढ़ रहे हैं, तो दूसरी तरफ सख्त इमिग्रेशन नियमों के चलते रोजगार के आंकड़े ठहराव की ओर इशारा कर रहे हैं। हालांकि, अभी ये असर इतना गहरा नहीं है कि अर्थव्यवस्था को पटरी से उतार दे।

महंगाई में टैरिफ का हाथ– लाइव मिंट में प्रकाशित खबर के मुताबिक जून महीने में महंगाई दर 2.7 प्रतिशत रही, जो विशेषज्ञों के अनुमान के करीब थी, लेकिन चिंता की बात यह है कि फर्नीचर और कपड़ों जैसे आयातित सामानों की कीमतें बढ़ी हैं। यूबीएस की रिपोर्ट के मुताबिक, कारों को छोड़कर बाकी जरूरी सामानों की महंगाई तीन साल में सबसे तेज रफ्तार से बढ़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि टैरिफ की वजह से आने वाले महीनों में यह ट्रेंड जारी रह सकता है।

कच्चे माल के दाम आसमान पर– ट्रंप ने 1 अगस्त से आयातित तांबे पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा करते ही उसकी कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। इसी तरह स्टील और एल्युमिनियम जैसे जरूरी कच्चे माल के दाम भी बढ़े हैं।

येल यूनिवर्सिटी के बजट लैब का डरावना आंकड़ा

रविवार तक अमेरिकी उपभोक्ताओं पर औसतन 20.6 प्रतिशत का टैरिफ बोझ था। यह 1910 के बाद से सबसे ऊंचा स्तर है। येल लैब का अनुमान है कि टैरिफ की वजह से हर परिवार की सालाना आय पर औसतन 2,800 का अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। हालांकि, आयातकों के पुराने स्टॉक और जहाजों में देरी की वजह से टैरिफ का पूरा असर अभी दिखना बाकी है।

सिंगापुर दुनिया का सबसे महंगा शहर अपनी मुंबई भी टॉप-20 में शामिल

नई दिल्ली। जूलियस बेयर समूह ने अपनी ताजा रैंकिंग जारी की है। इसमें पता चला है कि सिंगापुर दुनिया का सबसे महंगा शहर बन गया है। उसके बाद दूसरे नंबर पर लंदन है। भारत की बात करें तो अपनी मुंबई भी इस सूची में 20वें पायदान पर है और भारत का सबसे महंगा शहर है। पिछले साल भी मुंबई की रैंकिंग यही थी।

कैसे तय होती है रैंकिंग

जूलियस बेयर का यह सर्वे (लाइफस्टाइल इंडेक्स) दुनिया के 25 बड़े शहरों में रहन-सहन और ऐशो-आराम की चीजों पर होने वाले खर्च को आधार बनाता है। इसमें घर, कार, बिजनेस क्लास उड़ानें, स्कूल की फीस, महंगा खाना और दूसरी लग्जरी चीजें शामिल हैं।

एशिया का दबदबा– टॉप-20 शहरों में से आठ एशिया के हैं, जैसे सिंगापुर, हांगकांग (तीसरा), शंघाई (छठा), बैंकॉक, टोक्यो, जकार्ता, मुंबई और मनीला।

65 फीसदी लोग गैजेट्स पर करते हैं खर्च

रिपोर्ट के अनुसार, एशिया देशों की रैंकिंग के लोग सबसे ज्यादा मोबाइल और बाहर रेस्टोरेंट में भोजन करने पर खर्च करते हैं, जहां प्रतिशत दोनों का अलग-अलग 65 प्रतिशत है। वहीं, होटल में रूकने पर 64 फीसदी, स्वास्थ्य पर 63 प्रतिशत और कपड़ों पर 55 फीसदी खर्च करते हैं। इसी तरह यूरोप में लोग सबसे ज्यादा 44 फीसदी रेस्तरां में खाने पर, अमेरिका में स्वास्थ्य पर 43 फीसदी, दक्षिण अमेरिका में गाड़ी पर 52 फीसदी और अफीका में सबसे ज्यादा होटल में रुकने पर 65 फीसदी खर्च करते हैं।

नतीजों से मायूस निवेशक बेच रहे एचडीबी फाइनेंशियल के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। एचडीबी फाइनेंशियल के शेयरों में आज तगड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। कंपनी के शेयर इंट्राडे में लगभग 4 प्रतिशत गिरकर 810 रुपये प्रति शेयर के नए 52-हफ्ते के निचले स्तर पर पहुंच गए। निवेशक कंपनी के ताजा नतीजों से मायूस दिखे।

हाल ही में स्टॉक मार्केट में लिस्ट हुई एचडीएफसी बैंक की इस सहायक कंपनी ने अपना पहला नतीजा पेश किया। 30 जून को खत्म हुए तिमाही में कंपनी का शुद्ध मुनाफा साल पहले की तिमाही के मुकाबले 2.4 प्रतिशत घटकर 567.7 करोड़ रुपये रह गया। पिछले साल इसी तिमाही में यह 581.7 करोड़ रुपये था।

रेवेन्यू में रौनक

हालांकि, कुछ अच्छी खबरें भी हैं। कंपनी का नेट इंटरेस्ट इनकम साल दर साल 18.3 प्रतिशत बढ़कर 2091.8 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल इसी तिमाही में यह 1768.2 करोड़ रुपये था।

पिछली तिमाही (1972.8 करोड़) के मुकाबले भी यह ज्यादा है। कुल ऑपरेशनल रेवेन्यू भी साल दर साल 15 प्रतिशत और तिमाही दर तिमाही 4.6 प्रतिशत बढ़कर 4465.4 करोड़ रुपये हो गया।

कर्ज का बोझ बढ़ा

मुनाफा घटने की एक बड़ी वजह है प्रोविजन में भारी बढ़ोतरी। कर्ज के नुकसान और प्रोविजन का खर्च पिछले साल की इसी तिमाही के 412 करोड़ रुपये से बढ़कर इस बार 670 करोड़ रुपये हो गया। इसका असर सीधा कंपनी की कमाई पर पड़ा। कर से पहले का मुनाफा 784 करोड़ रुपये से घटकर 733 करोड़ रुपये रह गया।

कर्ज की गुणवत्ता भी खराब

कंपनी के खराब कर्ज (ग्रॉस स्टेज 3 लोन) बढ़कर 2.56 प्रतिशत हो गए, जो पिछले साल 1.93 प्रतिशत थे। नेट स्टेज 3 लोन भी 0.77 प्रतिशत से बढ़कर 1.11 प्रतिशत हो गए। इसके अलावा, खराब कर्ज पर प्रोविजन कवरेज भी घटकर 56.7 प्रतिशत रह गया।

गौतम अडानी की चाल से फंस गया जेपी एसोसिएट्स की बिक्री में पेच

बैंकों की बढ़ गई मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी कंपनी जेपी एसोसिएट्स के लेंडर्स की मुश्किलें बढ़ गई है। ऐसा अडानी एंटरप्राइजेज की बिना शर्त बोली के कारण हुआ है। जेपी एसोसिएट्स को खरीदने के लिए अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी ने बिना शर्त बोली लगाई है। सूत्रों के अनुसार इससे कर्जदाताओं के सामने एक अजीब स्थिति पैदा हो गई है। कर्ज चुकाने के लिए कर्जदाताओं को सभी बोलियों का मूल्यांकन करना होता है। लेकिन जेपी एसोसिएट्स के लिए बोली लगाने वाली दूसरी कंपनियों ने कुछ शर्तों के साथ बोलियां लगाई हैं। इसका मतलब है कि उनकी बोलियां कुछ खास परिस्थितियों पर निर्भर करती हैं।

वैसे तो आईबीसी (इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड) कर्जदाताओं को बिना शर्त वाली बोली चुनने से नहीं रोकता है। अगर कोई और बिना शर्त वाली बोली नहीं है, तो वे ऐसा कर सकते हैं। आईबीसी एक कानून

है जो कंपनियों को दिवालिया होने से बचाता है और कर्ज चुकाने में मदद करता है। लेकिन अडानी की बोली सबसे ज्यादा नहीं है। इसलिए कर्जदाता एक तरह से फंस गए हैं। उनका कहना है कि यह मुश्किल तभी दूर हो सकती है जब एक से ज्यादा बिना शर्त वाली बोली हो।

अडानी की बोली

श्वज्ञ ने 8 जुलाई को खबर दी थी कि अडानी एंटरप्राइजेज ने जेपी एसोसिएट्स के लिए 12,600 करोड़ रुपये की बिना शर्त बोली लगाई है। उसकी बोली सबसे मजबूत मानी जा रही है क्योंकि इसमें भुगतान किसी भी अप्रत्याशित घटना से जुड़ा नहीं है। इसका मतलब है कि अडानी कंपनी को भविष्य में होने वाले नुकसान की परवाह किए बिना भुगतान करने को तैयार है।

स्विस चैलेंज मेथड

सूत्रों के अनुसार कर्जदाता इस हफ्ते बोली लगाने वालों से उनकी बोलियों में शामिल शर्तों के बारे में स्पष्टीकरण मांग सकते हैं। वे जानना चाहते हैं कि ये शर्तें क्या हैं और उनका क्या मतलब है। अगर यह मुश्किल हल हो जाती है, तो कर्जदाता एक चैलेंज ऑक्शन पर विचार कर रहे हैं। इसमें इलेक्ट्रॉनिक तरीके से बोलियां लगाई जाएंगी। वे स्विस चैलेंज मेथड भी चुन सकते हैं। इसमें सबसे ऊंची बोली को नीलामी के लिए आधार मूल्य बनाया जाएगा। नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी जेपी एसोसिएट्स के कर्जदाताओं का प्रतिनिधित्व करती है। उसने ईमेल के जरिए पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। अडानी एंटरप्राइजेज, जिंदल पावर, डालमिया सीमेंट भारत और वेदांता ने भी सवालों का जवाब नहीं दिया। जेपी एसोसिएट्स के लिए समाधान योजनाएं जून के आखिरी हफ्ते में सौंपी गई थीं। इसके बाद कंपनी के कर्जदाता योजनाओं की समीक्षा के लिए दो बार मिल चुके हैं। वे यह तय करने की कोशिश कर रहे हैं कि कौन सी योजना सबसे अच्छी है और कंपनी को कर्ज से बाहर निकालने में मदद कर सकती है।

इंग्लैंड के जो रूट 8वीं बार नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज

दुबई, एजेंसी। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने एक बार फिर आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ खेले गए तीसरे टेस्ट में रूट ने शानदार 104 और 40 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड को 22 रन की जीत मिली और रूट को 888 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 की रैंक वापस मिल गई। रूट ने इंग्लैंड के ही हैरी ब्रुक (862 अंक) को पीछे छोड़ा। यह रूट का टेस्ट आठवीं बार नंबर-1 बनना है, और 34 साल की उम्र में वह कुमार संगाकारा के बाद सबसे उम्रदराज नंबर-1 बल्लेबाज हैं। भारत से यशस्वी जायसवाल और ऋषभ पंत को एक-एक जबकि कप्तान शुभमन गिल को 3 स्थान का नुकसान हुआ है। बॉलिंग रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह टॉप पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने भी वेस्टइंडीज के खिलाफ जमैका टेस्ट में 48 रन की पारी खेलकर एक स्थान की छलांग लगाई और अब वह 816 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। उनके साथी कैमरन ग्रीन ने भी 46 और 42 रन बनाकर 16 स्थान की बड़ी छलांग लगाकर 29वें स्थान (619 अंक) पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को रैंकिंग में फायदा हुआ है।

उम्मीद नहीं थी किंग चार्ल्स लॉर्ड्स टेस्ट देखेंगे: गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि टीम को उम्मीद नहीं थी कि किंग चार्ल्स लॉर्ड्स टेस्ट मैच देखेंगे। भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने मंगलवार को लंदन स्थित क्लेरेंस हाउस में किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात की। इस दौरान किंग चार्ल्स ने जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, शुभमन गिल समेत अन्य खिलाड़ियों से बातचीत की। किंग चार्ल्स तृतीय ने अपनी परंपरा निभाते हुए लंदन दौरे पर आई भारतीय क्रिकेट टीम का क्लेरेंस हाउस में स्वागत किया। यह एक दोस्ताना मुलाकात थी। किंग चार्ल्स तृतीय इंग्लैंड दौरे पर राष्ट्रमंडल क्रिकेट टीमों का स्वागत करने की परंपरा रखते हैं। र

ाष्ट्रमंडल प्रमुख के रूप में मेहमानों की मेजबानी कर रहे किंग चार्ल्स ने भारतीय टीम से बातचीत के दौरान बताया कि उन्होंने भारत-इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच की झलकियां देखीं। इस मुकाबले में गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम को महज 22 रन से करीबी हार झेलनी पड़ी थी। गिल ने बीसीसीआई के एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में कहा, किंग चार्ल्स बहुत दयालु और उदार हैं। उन्होंने हमसे बहुत अच्छी बातचीत की। उम्मीद नहीं थी कि वह हमारा मैच देखेंगे। किंग चार्ल्स ने बताया कि उन्होंने हमारे मुकाबले के आखिरी सेशन के कुछ अंश देखे। यह एक शानदार अनुभव था। हम इसके लिए बहुत आभारी हैं। इस दौरान क्लेरेंस हाउस में इंग्लिश अभिनेता और संगीतकार इद्रिस एल्बा ने भी खिलाड़ियों से मुलाकात की। इद्रिस एल्बा सेंट जेम्स पैलेस में आयोजित यूथ ऑपर्च्युनिटीज समिट के लिए लंदन पहुंचे थे। एल्बा ने भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। इस मुलाकात के दौरान बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराइस्वामी भी मौजूद थे। शुक्ला ने किंग चार्ल्स को अपनी पुस्तक स्कार्स ऑफ 1947 भेंट की। राजीव शुक्ला ने एक्स पर पोस्ट किया, ब्रिटेन के किंग चार्ल्स हम सभी से बहुत ही गर्मजोशी के साथ अपने घर पर मिले। वह खुशमिजाज व्यक्तित्व हैं। मुलाकात से पहले, उन्होंने हम सभी के बारे में काफी जानकारी इकट्ठा की थी।

ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर डोपिंग मामले में चार साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। 32 वर्षीय मूर वर्तमान में एकल में 864वें और युगल में 187वें स्थान पर हैं और सकारात्मक परीक्षण के बाद अपने अनंतिम निलंबन से लौटने के बाद से वह अधिकतर निचले स्तर के डब्ल्यूटीए टूर आयोजनों में खेल रही हैं। खेल पंचाट ने डोपिंग के एक मामले में ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी तारा मूर पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है। खेल पंचाट ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के साथ सहमति व्यक्त की है कि प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के सेवन के लिए उन्हें निलंबित किया जाना चाहिए। मूर को अप्रैल 2022 में एनाबॉलिक स्टेरॉयड बोल्डेनोन और नैंड्रोलोन के सेवन के लिए पॉजिटिव पाया गया था, लेकिन दिसंबर 2023 में उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी गई थी, जब एक स्वतंत्र पंचाट ने फैसला दिया कि कोलंबिया में एक प्रतियोगिता में भाग लेने के दौरान दूषित मांस खाने के कारण ऐसा हुआ था। आईटीआईए ने उस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी। खेल पंचाट ने आईटीआईए के पक्ष में निर्णय दिया, जिसमें कहा गया कि उसके पैनल के अधिकतर सदस्यों का यह मानना था कि मूर यह साबित नहीं कर पाई कि दूषित मांस के सेवन के कारण उनका नमूना पॉजिटिव पाया गया था। 32 वर्षीय मूर वर्तमान में एकल रैंकिंग में 864वें और युगल में 187वें स्थान पर हैं।

महाद्वीप के 20 देशों के शीर्ष सर्फर तीन से 12 अगस्त तक होने वाली एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2025 के लिए यहां महाबलीपुरम में चुनौती पेश करेंगे। एशियाई सर्फिंग महासंघ (एएसएफ) के तत्वावधान में आयोजित इस टूर्नामेंट में शॉर्टबोर्ड वर्गों में प्रतिस्पर्धा होगी जो ओपन पुरुष, ओपन महिला, अंडर-18 लड़के और अंडर-18 लड़कियों के वर्ग में होगी। इस प्रतियोगिता के जरिए सर्फर जापान में आयोजित होने वाले 2026 एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने का प्रयास करेंगे। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री और युवा कल्याण एवं खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा, तमिलनाडु में एएसएफ एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप 2025 की मेजबानी सर्फिंग जैसे नए खेलों को बढ़ावा देने, हमारे खिलाड़ियों के लिए विश्व स्तरीय अवसर पैदा करने और उन्हें मजबूत बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस टूर्नामेंट के पुरुष और महिला चैंपियन को 17 से 23 नवंबर 2025 तक होने वाले सर्फसिटी अल सल्वाडोर एएलएएस ग्लोबल फाइनल में भी सीधे प्रवेश मिलेगा।

विराट टेस्ट क्रिकेट में वापसी करें

पूर्व क्रिकेटर मदन लाल का आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड के खिलाफ दिल तोड़ने वाली हार के एक दिन बाद 1983 विश्व कप विजेता और भारत के पूर्व ऑलराउंडर मदन लाल ने विराट कोहली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास से वापसी का आग्रह किया। व्यापक रूप से खेल के आधुनिक महान खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले कोहली ने मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। कोहली ने 123 मैचों में 46.85 की प्रभावशाली औसत से 30 शतकों और 31 अर्धशतकों के साथ 9230 रन बनाकर अपने 14 साल के करियर को अलविदा कह दिया। उन्होंने ग्रीम स्मिथ (53 जीत), रिकी पोंटिंग (48 जीत) और स्टीव वॉ (41 जीत) के बाद चौथे सबसे सफल टेस्ट कप्तान के रूप में संन्यास ले लिया। मदन लाल ने कहा, विराट कोहली का भारतीय क्रिकेट के प्रति जुनून बेजोड़ था। मेरी इच्छा है कि वह संन्यास के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करें। वापसी में कोई बुराई नहीं है। अगर इस सीरीज में नहीं, तो उन्हें अगली सीरीज में वापसी करनी चाहिए।

कोहली के 30 टेस्ट शतक उन्हें सचिन तेंदुलकर (51 शतक), राहुल द्रविड़ (36) और सुनील गावस्कर (34) के बाद भारत के चौथे सबसे सफल बल्लेबाज हैं। कोहली ने 7 टेस्ट दोहरे शतक भी लगाए, जो किसी भी भारतीय द्वारा बनाया गया अब तक का सबसे ज़्यादा शतक है। मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर लीड्स में सीरीज के पहले मैच में 5 विकेट से हार के बाद भारत ने दूसरे टेस्ट में प्रभावशाली वापसी की। संयमित गेंदबाजी और बेहतर क्षेत्ररक्षण के साथ, मेहमान टीम ने अंतिम दिन इंग्लैंड को 27/1 पर आउट कर एक से ज़्यादा सत्र शेष रहते यादगार जीत हासिल की। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने दूसरी पारी में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड को 192 रनों पर समेट दिया। वाशिंगटन सुंदर ने शानदार प्रदर्शन किया जिन्होंने चार अहम विकेट लेकर मेहमान टीम के लिए एक आसान लक्ष्य रखा। लेकिन, जोफ्रा आर्चर और बेन स्टोक्स की अगुवाई में इंग्लैंड के गेंदबाजों ने चौथे दिन के अंतिम सत्र और 5वें दिन के शुरुआती सत्र में नाटकीय ढंग से भारत को 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 170 रनों पर आउट कर दिया, जबकि ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने शानदार वापसी की।

भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड टीम घोषित, बशीर की जगह डॉसन शामिल

लंदन, एजेंसी। 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होने वाले एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। शोएब बशीर की जगह स्पिनर लियाम डॉसन को टीम में शामिल किया है। लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट के दौरान शोएब बशीर की उंगली टूट गई थी। इसके बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने सीरीज के बाकी दो टेस्ट मैचों से उन्हें बाहर रखने का फैसला किया।

बशीर को लॉर्ड्स टेस्ट मैच के तीसरे दिन भारत की पहली पारी के 78वें ओवर में चोट लगी थी, जब रवींद्र जडेजा ने एक जोरदार शॉट सीधे बशीर की तरफ मारा। शॉट पकड़ने की कोशिश में गेंद उनकी उंगली में लग गई। हालांकि, इंजरी के बावजूद शोएब ने चौथी पारी में गेंदबाजी की और मोहम्मद सिराज का आखिरी विकेट लेकर मैच में इंग्लैंड को जीत दिलाई। इंग्लैंड पुरुष टीम के राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा, लियाम डॉसन टीम में शामिल होने के हकदार हैं।

भारतीय हैंडबाल टीम की फिजियोथेरेपिस्ट बनीं मोनिका

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन में होने वाली यूथ एशियन हैंडबाल चैंपियनशिप में मोनिका टीम के साथ सेवाएं देंगी। चयन पर मोरसिंघी हैंडबाल अकादमी की संचालिका और कोच स्नेहलता ने मोनिका शर्मा को बधाई दी है।

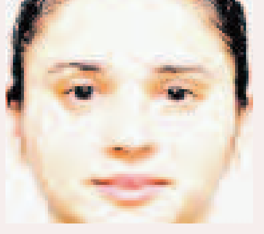

हमीरपुर की बेटी मोनिका शर्मा का चयन भारतीय हैंडवाल टीम में बतौर फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में हुआ है। चीन में होने वाली यूथ एशियन हैंडबाल चैंपियनशिप में मोनिका टीम के साथ सेवाएं देंगी। चयन पर मोरसिंघी हैंडबाल अकादमी की संचालिका और कोच स्नेहलता ने मोनिका शर्मा को बधाई दी है। यूथ एशियन वुमन हैंडबाल चैंपियनशिप के लिए भारत की टीम चीन में होगी यूथ एशियन हैंडबाल प्रतियोगिता चीन के लिए रवाना हो चुकी है। इस टीम में मुख्य कोच सचिन चौधरी हैं।

टीम इंडिया की सबसे मजबूत दीवार साबित हो रही कमजोर कड़ी...

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल द्रविड और चेतेश्वर पुजारा... भारतीय क्रिकेट के वो दो मजबूत स्तंभ जिन्होंने टेस्ट क्रिकेट में नंबर 3 पोजीशन लंबे समय तक संभाली. लेकिन पुजारा को जब से टीम इंडिया से हटाया गया है, तब से ही इस पोजीशन पर कोई भी ऐसा बल्लेबाज नहीं दिखा जिसने नंबर 3 पर विश्वास दिखाया है. द्रविड और पुजारा इस पोजीशन पर खेलते थे तो नंबर 3 को भारतीय टीम की दीवार कहा जाता था, लेकिन हालिया समय में यह दीवार कमजोर कड़ी साबित हुई है. इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम ने लीड्स टेस्ट में साई सुदर्शन को इस नंबर पर खिलाया जो महज 30 रन (पहली पारी में 0 दूसरी पारी में 30 रन) बना सके. करुण नायर एजबेस्टन टेस्ट (31, 26) और लॉर्ड्स टेस्ट (40, 14) में तीसरी पोजीशन पर खेले, लेकिन उन्होंने भी कुछ खास प्रभावित नहीं किया. ऐसे में सवाल है कि मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में 23 जुलाई से होने वाले मुकाबले में करुण नायर को खिलाया जाएगा या साई सुदर्शन को मौका मिलेगा या एक और दावेदार अभमिन्यु ईश्वरन को मौका मिलेगा .

करुण को और कितने मौके?

33 साल के करुण नायर मौजूदा सीरीज में अब तक

6 पारियों में सिर्फ 131 रन बना सके हैं. उनका एवरेज 21.83 है. लीड्स टेस्ट में करुण को निचले क्रम में बैटिंग का मौका मिला, लेकिन जब उन्हें अगले दो टेस्ट में तीसरे नंबर पर ख?िलाया गया, तो वह उस मौके का फायदा नहीं उठा सके.

लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में जब टीम को एक स्थिर साझेदारी की जरूरत थी, तब वो गेंद छोड़ने की कोशिश में वे खु्रद्ब आउट हुए. वैसे हेड कोच गौतम गंभीर ने सीरीज से पहले साफ कहा था कि करुण को ज्यादा मौके दिए जाएंगे. लेकिन वो गंभीर की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए हैं.

साई या ईश्वरन में कितना दम, क्या करुण होंगे रिप्लेस

मैनचेस्टर मे 23 जुलाई से होने वाले टेस्ट में करुण नायर को बेंच पर बैठाकर अभिमन्यु ईश्वरन या साई सुदर्शन के विकल्प के साथ भारतीय टीम उतर सकती है. साई सुदर्शन को लीड्स टेस्ट में टीम में मौका मिला था. जहां वो पहली पारी में 0 तो दूसरी पारी में 30 रन पर आउट हो गए थे.

इंग्लैंड पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली । लॉर्ड्स टेस्ट में भारत पर मिली रोमांचक 22 रन की जीत के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने की कीमत इंग्लैंड को चुकानी पड़ी है । विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) प्वाइंट्स टेबल से इंग्लैंड के दो अंक काट लिए गए हैं । टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है ।अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बताया कि इंग्लैंड पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना खिलाड़ियों और सपोर्टिंग स्टाफ के लिए आचार संहिता की धारा 2.22 के अनुसार लगाया गया है, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है । इसके मुताबिक, निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है । डब्ल्यूटीसी के प्लेइंग कंडीशंस के अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार, अगर कोई टीम निर्धारित समय में ओवर पूरे नहीं करती, तो प्रत्येक कम ओवर के लिए एक अंक काटा जाता है, यह कटौती समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद की जाती है ।

सिंधू पहले दौर में हारकर बाहर, सात्विक-चिराग और लक्ष्य जापान ओपन के दूसरे दौर में

जापान ओपन बेडमिंटन

टोक्यो, एजेंसी। सिम ने भारतीय खिलाड़ी सिंधू के खिलाफ अपने करियर की पहली जीत हासिल की। वहीं, सात्विक और चिराग ने कांग मिन ह्युक और किम डोंग जू की कोरियाई जोड़ी को केवल 42 मिनट में हराया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू एक बार फिर पहले दौर से आगे बढ़ने में नाकाम रही, लेकिन लक्ष्य सेन पुरुष एकल तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी बुधवार को जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में आसान जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंच गए। पूर्व विश्व चैंपियन 30 वर्षीय सिंधू को इस सुपर 750 टूर्नामेंट में कोरिया की सिम यू जिन के हाथों 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह इस वर्ष पांचवां अवसर है जबकि सिंधू पहले दौर की बाधा पार नहीं कर पाई।

सिंधू ने पहले गेम में थोड़ी चुनौती पेश की लेकिन इस बीच उन्होंने काफी गलतियां भी की जिसका फायदा उठाकर सिम यह गेम जीतने में सफल रही। दूसरे गेम में सिंधू जल्दी ही 1-6 से पीछे हो गईं। वह हालांकि स्कोर 11-11 से बराबर करने में कामयाब रहीं, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने आसानी से बढ़त बनाकर सीधे गेम में मैच अपने नाम कर लिया। सिम ने इस तरह से भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की पहली जीत हासिल की। इससे पहले पुरुष युगल में वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग ने कांग मिन ह्युक और किम डोंग जू की कोरियाई जोड़ी को केवल 42 मिनट में 21-18, 21-10 से हराया। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी को लय हासिल करने में थोड़ा समय लगा और कोरिया के

खिलाड़ियों में पहले गेम में उनके सामने कड़ी चुनौती पेश की। सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में शुरू से ही दबदबा बना कर रखा और आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया।

इस बीच पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन के वांग झेंग जिंग को 21-11, 21-18 से हराया। विश्व के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने पहले गेम में पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा और 11-2 की बढ़त बना ली और फिर बिना किसी परेशानी के गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में जिंग ने चुनौती पेश की, लेकिन लक्ष्य ने शुरुआती लय का फायदा उठाते हुए बढ़त बनाए रखी और सीधे गेम में मैच जीत लिया। अब उनका सामना जापान के सातवें वरीय खिलाड़ी कोडाई नाराओका से होगा।

दर्शकों के प्यार में डूबीं सारा अली खान, चुमकी को लेकर हुईं भावुक!

अभिनेत्री सारा अली खान ने हाल ही में रिलीज हुई रोमांटिक फिल्म मेट्रो...इन दिनों में अपने किरदार चुमकी को भरपूर प्यार देने के लिए दर्शकों का शुक्रिया अदा किया।

अभिनेत्री सारा अली खान ने फिल्म मेट्रो...इन दिनों के पर्दे के पीछे की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, आभारी, धन्य और बहुत-बहुत खुश हूं। आपने हमारी फिल्म को जो प्यार दिया उसके लिए शुक्रिया और चुमकी को स्वीकार करने और प्यार करने के लिए भी शुक्रिया।

इससे पहले, एक विशेष बातचीत के दौरान, सारा ने खुलासा किया था कि निर्देशक अनुराग बसु का फिल्म बनाने का स्टाइल हैरान करने वाला है। वह अपने कलाकारों को भरपूर स्पेस देने में विश्वास रखते हैं और इसी वजह से उनकी फिल्मों में अभिनय करते हुए कुछ मैजिक मोमेंट्स अपने आप आ जाते हैं। बात करते हुए, केदारनाथ की अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप खुद को पूरी तरह आजाद करने लगते हो, तो कुछ आश्चर्यजनक घटनाएं घटित होने लगती हैं, जिसे अनुराग बसु मैजिक कहते हैं। हमने खुद को पूरी छूट थी और पूरी तरह वर्तमान पल में डूब गए। इससे शूटिंग का माहौल भी ऊर्जावान और सकारात्मक रहता था। पूरा सेट जैसे जीवंत हो जाता है और हम पूरी तरह अपने अभिनय में तल्लीन हो जाते थे। मेट्रोज इन दिनों साल 2007 में रिलीज हुई लाइफ इन एज मेट्रो का सीक्वल है। लाइफ इन एज मेट्रो में धर्मेंद्र, नफीसा अली, शिल्पा शेट्टी, के.के. मेनन, शायनी आहूजा, इरफान खान, कोंकणा सेन शर्मा, कंगना रनौत और शरमन जोशी नजर आए थे। वहीं, मेट्रोज इन दिनों की बात करें तो इसमें सारा के साथ आदित्य रॉय कपूर रोमांस करते नजर आएंगे, इसके अलावा कई जाने-माने कलाकार हैं, जिनमें अली फजल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता भी हैं। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सारा अली खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो, वह वर्तमान में मर्डर मुबारक फिल्म में नजर आएंगी, जो एक मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है और नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

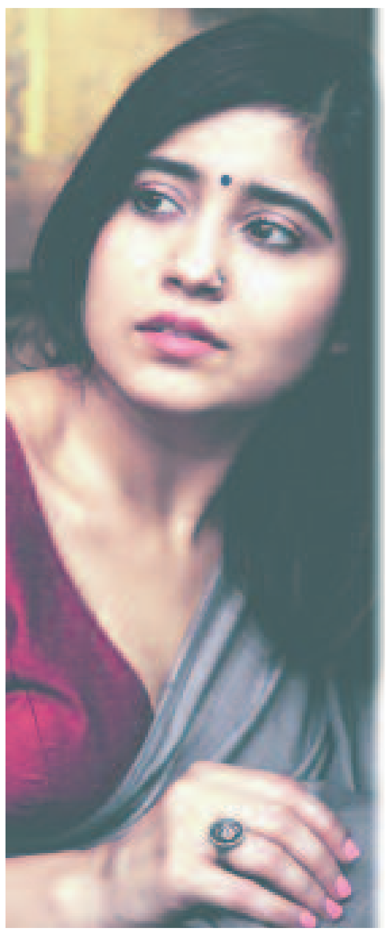

बोल्ड सब्जेक्ट पर फिल्म बनाएंगी मिर्जापुर की गोलू

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं, लेकिन वेब सीरीज मिर्जापुर की गोलू अब नए रोल में दिखेंगी। मुझे जान न कहो मेरी जान फिल्म के जरिए बतौर निर्माता नई पारी की शुरुआत करने जा रही हैं। यह फिल्म एक समलैंगिक प्रेम कहानी है। इस फिल्म में अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन संजय नाग करेंगे। फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिरी महीनों में शुरू हो सकती है। अभिनेत्री ने फिल्म को अपने दिल के बेहद करीब बताया। उन्होंने कहा, यह फिल्म मेरे दिल के करीब सिर्फ इसलिए नहीं है कि मैं इस फिल्म के जरिए प्रोड्यूसर के तौर पर शुरुआत कर रही हूं, बल्कि इसलिए भी है क्योंकि इसकी कहानी से हम दुनिया के सामने समलैंगिक प्रेम कहानियों को ईमानदारी और सुंदरता के साथ पर्दे पर पेश कर सकेंगे। श्वेता ने अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम की तारीफ करते हुए कहा, वह ऐसी कलाकार हैं, जो अपने अभिनय से फिल्म को और भी खास बना देंगी।

बॉर्डर 2 की शूटिंग को लेकर उत्साहित दिखे सुनील शेट्टी के बेटे अहान

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 में नजर आने वाले हैं। अभी इस फिल्म की शूटिंग हो रही है। ऐसे में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम के जरिए बताया है कि पुणे में इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अहान शेट्टी वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। शुक्रवार को अहान शेट्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर कर बताया है कि उन्होंने पुणे में अपनी शूटिंग कंप्लीट कर ली है। अहान ने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इसके कैप्शन में लिखा है और क्या है यह बॉर्डर? बस एक फौजी और उसके भाई हैं। पुणे में यह कार्यक्रम समाप्त हुआ अब अगले कार्यक्रम पर चलते हैं। इससे एक दिन पहले वरुण धवन ने भी बताया था कि पुणे में उन्होंने एनडीए की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अहान शेट्टी के साथ चाय और बिस्कुट खा रहे थे। वीडियो क्लिप शेयर करते हुए वरुण धवन ने लिखा बॉर्डर 2 चाय और बिस्कुट। एनडीए में शूटिंग पूरी हो गई है। हमने बिस्कुट के साथ सेलेब्रेट किया है। कुछ दिनों पहले अहान शेट्टी ने बॉर्डर 2 से जुड़ने के अपने सफर के बारे में बताया। उन्होंने कहा वह अपने पिता की तरह बनना चाहते थे जो बॉर्डर (1997) में नजर आए थे। उन्होंने अपने पिता और अपनी तस्वीर पोस्ट करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा हर बेटा कहीं न कहीं अपने बाप जैसा बनना चाहता है। बॉर्डर 2 - 23 जनवरी 2026।

फिल्म के बारे में

आपको बता दें कि बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। फिल्म में भारतीय सेना की कहानी दिखाई जाएगी। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता हैं। यह फिल्म 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी।

बॉलीवुड को दे चुकी हैं 300 करोड़ी फिल्म

'केरल स्टोरी' फेम योगिता ने अपने रिलेशनशिप पर लगाई मुहर

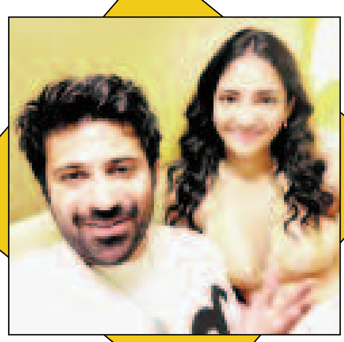

हाल ही बॉलीवुड एक्ट्रेस अर्चना पूरन सिंह और एक्टर परमीत सेठी के बेटे आर्यमान सेठी ने अपने रिलेशनशिप को योगिता बिहानी के साथ पब्लिक कर दिया है। हाल ही में अपने व्लॉग में योगिता से फैंस को आर्यमान ने मिलवाया। योगिता ने भी अपने रिलेशनशिप को लेकर बात की है। अर्चना पूरन सिंह के बेटे आर्यमान ने एक्ट्रेस योगिता बिहानी के साथ अपने रिश्ते को हाल ही में पब्लिक किया है। इनका रिश्ता अभी शुरुआती दौर में हैं, मगर दोनों ने पब्लिकली इस रिश्ते को एक्सेप्ट कर लिया है। बातचीत में योगिता बिहानी कहती हैं, 'हां, हम डेटिंग कर रहे हैं। मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह बात इतनी जल्दी सबके सामने आ जाएगी। यह मेरे लिए भी एक सरप्राइज था। मुझे तो पता भी नहीं था कि आर्यमान हमारे रिश्ते को अनाउंस करने वाला है।' अर्चना पूरन सिंह बेटे आर्यमान ने हाल ही में अपने व्लॉग चैनल के जरिए योगिता को अपने फैंस से मिलवाया। दोनों व्लॉग में साथ में घूमते-फिरते नजर आए। डिनर डेट पर दिखे गए।

शुरुआती फेज में है रिश्ता

योगिता आगे कहती हैं, 'हम अभी अपने रिलेशनशिप के शुरुआती दौर में हैं। दोनों इस फेज को एंज्वॉय कर रहे हैं।' बताते चलें कि योगिता और आर्यमान की मुलाकात एक म्यूजिक वीडियो के दौरान हुई। इस वीडियो में आर्यमान ने गाना गाया है। इसी म्यूजिक वीडियो में योगिता नजर आई थीं। इसी दौरान दोनों की नजदीकियां बढ़ी थीं।

इन फिल्मों से चर्चा में आईं योगिता बिहानी

फिल्म 'केरल स्टोरी(2023)' में योगिता की एक्टिंग को खूब सराहा गया। इस फिल्म के अलावा वह साल 2020 में 'एके वर्सेज एके' में नजर आईं, यह उनकी डेब्यू फिल्म थी। फिल्म 'विक्रम वेधा(2022)' में भी योगिता ने एक अहम किरदार निभाया था।

इत्ती सी खुशी: सुम्बुल खान ने एक बिखरे परिवार में बेटी की मजबूती को अनोखे अंदाज़ में पेश किया

दिल छू लेने वाली कहानियों के लिए प्रसिद्ध सोनी सब एक नई संवेदनशील कहानी 'इत्ती सी खुशी' लेकर आ रहा है, जो आदर्श परिवारों के चमकदार चित्रण से परे जाकर एक सच्चाई को उजागर करता है। हाल ही में रिलीज हुआ इसका प्रोमो काफी चर्चा में है, जो एक ऐसी बेटी की शांत लेकिन सशक्त ताकत को सलाम करता है जो अपने पांच भाई-बहनों और रंग-बिरंगे, उलझे हुए परिवार की रीढ़ बन जाती है। प्रोमो में अन्विता (सुम्बुल तौकीर खान), जो दिवेकर परिवार की धुरी है, एक अस्त-व्यस्त घर और अनकहे ज़िम्मेदारियों के बीच फंसी नज़र आती है। उसे कम उम्र में ही देखभाल करने वाले की भूमिका निभानी पड़ती है, क्योंकि उसके पिता की लापरवाही और शराब की लत के चलते घर की सारी जिम्मेदारियां उस पर आ जाती हैं। स्कूल रिपोर्ट कार्ड पर हस्ताक्षर करना हो या उस वक़्त मज़बूती से खड़ा रहना जब उसका शराबी पिता (वरुण बडोला) उनके इकलौते घर को बेच देता है। प्रोमो में दिखाया गया है कि वह सिर्फ एक अभिभावक नहीं, बल्कि अपने टूटते हुए संसार की स्थिरता बन जाती है। प्रोमो को लेकर अन्विता की भूमिका निभा रहीं सुम्बुल तौकीर खान ने कहा, मैं इस शो की पहली झलक अपने प्रशंसकों के साथ साझा करने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। अन्विता एक ऐसी बेटी है जो परिवार को जोड़े रखने वाला गोंद बन जाती है - वह चुपचाप लेकिन पूरी ताकत से ज़िम्मेदारियों को उठाती है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसमें प्रेरणा पाएंगे कि कैसे अन्विता दर्द में भी ताकत ढूंढती है और दुःख में भी गरिमा बनाए रखती है। उन्होंने आगे कहा, प्रोमो की शूटिंग करना एक खास अनुभव था - हमने एक मुंबई के आम मोहल्ले की जीवंतता को जीवंत किया और रजत वर्मा और वरुण सर के साथ वह अनुभव और भी यादगार बन गया।

हमारी इंडस्ट्री में लोग दूसरों की असफलता पर खुश होते हैं

फराह खान कोरियोग्राफर, डायरेक्टर होने के लिए कंटेंट क्रिएटर भी हैं। यूट्यूब पर वह एक कुकिंग व्लॉग चैनल चलाती हैं, सेलिब्रिटी के घर जाती हैं और बाचतीत करती हैं। हाल ही में फराह ने जैकी भगनानी और रकुल प्रीत से मुलाकात की। इस दौरान फराह ने अपनी एक फ्लॉप फिल्म का जिक्र किया, जिसकी असफलता पर बॉलीवुड में कई लोग खुश हुए। कौन सी थी वो फिल्म? और बॉलीवुड के लोगों के बारे में क्या-क्या खुलासे फराह ने किए? फराह खान बताती हैं कि साल 2010 में फिल्म 'तीस मार खां' की असफलता पर बॉलीवुड में कई लोग खुश हुए। वह कहती हैं, 'हमारी इंडस्ट्री में लोग अपनी सफलता पर खुश होने से ज्यादा दूसरों की असफलता पर खुश होते हैं। मुझे याद है, जब 'तीस मार खां' फिल्म रिलीज हुई और बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली तो बॉलीवुड में जश्न का माहौल था। जिन लोगों के साथ मैंने काम किया है, उनका रवैया था, 'अभी आई ना लाइन पर।

इस बार बेबी गर्ल की उम्मीद कर रही प्रेग्नेंट रिहाना

लॉस एंजिल्स। ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिहाना तीसरी बार मां बनने वाली हैं। उन्होंने कहा है कि इस बार वह चाहती हैं कि उन्हें एक बेटी हो। एक इंटरव्यू में जब होस्ट ने रिहाना से उनके होने वाले बच्चे के लिंग (लड़का या लड़की) को लेकर सवाल किया तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, आपको इंतजार करना होगा और देखना होगा। हे भगवान, अगर लड़का हुआ तो क्या आप लोग दुखी हो जाएंगे?

बता दें कि रिहाना के पहले से दो बेटे हैं। इसके बाद होस्ट ने कहा, हम सब अंदर ही अंदर उम्मीद कर रहे हैं कि इस बार आपको एक बेटी हो, क्योंकि आपके पहले से दो प्यारे-प्यारे बेटे हैं। इस पर रिहाना कहती है कि उन्हें अपने बेटों की परवरिश करने में बहुत मजा आता है, लेकिन फिर भी वह चाहती हैं कि इस बार उनकी एक बेटी हो। रिहाना ने कहा, मैं हमेशा से एक बेटी चाहती थी, लेकिन भगवान ने मुझे दो बेटे दिए, बहुत प्यारे-प्यारे। रिहाना ने आगे बताया कि उनके आने वाले बच्चे का नाम आर अक्षर से शुरू होगा, क्योंकि उनके परिवार में अब यह परंपरा बन चुकी है। बता दें कि उनका पहला बेटा तीन साल का है, जिसका नाम आर.जेड.ए. है। वहीं उनका दूसरा बेटा रायट है, जिसकी उम्र लगभग 2 साल है। दोनों के नाम के अक्षर आर से शुरू होते हैं। अपने म्यूजिक करियर को थोड़े समय के लिए पीछे रखते हुए पिछले कुछ सालों में रिहाना ने मेकअप और लॉन्जरी के बिजनेस में काफी सफलता हासिल की है। 2024 में उन्होंने कहा था कि मां बनने के बाद उनका फैशन और स्टाइल को देखने का नजरिया बदल गया है। एक इंटरव्यू में रिहाना ने बताया था कि अब वह अपना ज्यादा समय बच्चों को देती हैं। इसके लिए वह अपने कपड़ों पर ज्यादा ध्यान देती हैं। वह ऐसे कपड़े चुनती हैं जिन्हें पहनकर वह बच्चों की अच्छे से देखभाल कर पाएं, उन्हें गोद में आसानी से ले सकें, और उनके साथ खेल सकें। उन्होंने कहा, असल जिंदगी में माएं बहुत सिंपल और आरामदायक कपड़ों को ही चुनती हैं।

लकड़बग्घा 2 में शामिल हुईं सारा जेन डियास

अभिनेत्री सारा जेन डियास अब फिल्म लकड़बग्घा 2- द मंकी बिजनेस की कास्टिंग टीम में शामिल हो गई हैं। इस बात की जानकारी अभिनेता और फिल्म निर्माता अंशुमन झा ने दी है। फिल्म से जुड़ने को लेकर अपनी खुशी जताते हुए सारा जेन डियास ने कहा, मुझे लकड़बग्घा 1 बहुत पसंद आई थी। जब मैंने सुना कि यह फिल्म एक ऐसे यूनिवर्स का हिस्सा है जिसमें जानवरों से प्यार करने वाला एक हीरो है, और अब यह कहानी आगे बढ़ रही है, तो मैं बहुत उत्साहित हो गई। ऐसी फिल्में बहुत कम मिलती हैं जो एक्शन के साथ कोई अच्छा मकसद भी दिखाएं, जिसमें बेजुबान जानवरों की रक्षा करना शामिल हो। उन्होंने कहा कि लकड़बग्घा 2 आज के समय से जुड़ी हुई और भावनाओं से भरी फिल्म है।

सारा ने कहा, इस फिल्म ने मुझे वो मौका दिया, जिसका मैं लंबे समय से सपना देख रही थी। मैं स्क्रीन पर एक्शन करना चाहती थी। मैं बहुत खुश हूं कि अंशुमन ने मुझे फिल्म का हिस्सा बनाया। बाकी टीम के साथ इस सफर में शामिल होकर अच्छा महसूस हो रहा है। अंशुमन ने अपने सोशल मीडिया पर सारा के शामिल होने की जानकारी देते हुए लिखा कि सारा के आने से लकड़बग्घा की टीम और भी ताकतवर और दमदार हो गई है। वह पर्दे पर एक शांत लेकिन जबरदस्त असर लेकर आती हैं। उन्होंने कहा, सारा की ताकत, सादगी और गहराई उन्हें लकड़बग्घा की दुनिया के लिए एकदम सही बनाती है। इस बार सिर्फ हमारी टीम वापस नहीं आई है, बल्कि और भी ज्यादा मजबूत, दमदार और गहराई से भरी हुई है। रिद्धि के बाद अब सारा के आने से हमारी कहानी में भावनाएं भी बढ़ी हैं और इसकी पहुंच भी।

प्रियदर्शन की अगली फिल्म का एलान

अक्षय कुमार-सैफ अली खान होंगे हिस्सा, जल्द शुरू होगी शूटिंग

निर्देशक प्रियदर्शन यूं तो इन दिनों फिल्म हेरा फेरी 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। इस लोकप्रिय फ्रेंचाईजी की तीसरी फिल्म को प्रियदर्शन निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म भूत बंगला भी वे बना रहे हैं, जिसमें अक्षय कुमार लीड रोल में हैं। इसके अलावा अब प्रियदर्शन ने एक और फिल्म का एलान किया है। इसे वे अक्षय कुमार के साथ बना रहे हैं और सैफ अली खान भी फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म का नाम है, हैवान।

प्रियदर्शन ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अक्षय कुमार और सैफ अली खान की तस्वीर शेयर की है। साथ में कैप्शन लिखा है, अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ मेरी अगली फिल्म, नाम है हैवान।

नेटिजन्स ने जताई खुशी, हेरा फेरी 3 पर मांगा अपडेट

इस पोस्ट पर नेटिजन्स कमेंट कर रहे हैं। अधिकांश यूजर्स फिल्म हेरा फेरी 3 पर अपडेट मांग रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, पहले आप हेरा फेरी 3 बनाओ, उसके बाद कुछ भी बनाना। वहीं, फिल्म हैवान को लेकर भी यूजर्स खुशी जता रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, प्रियदर्शन और अक्षय कुमार यानी बेस्ट कॉम्बिनेशन। एक यूजर ने लिखा, ब्लॉकबस्टर फिल्म लोड हो रही है। एक यूजर ने लिखा, सैफ अली खान और अक्षय कुमार...पर्दे पर जबर्दस्त धमाल।

17 साल बाद साथ नजर आएंगे अक्षय कुमार-सैफ अली खान

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला बना रहे हैं। इसमें तब्बू भी लीड रोल में नजर आएंगी। वहीं, हेरा फेरी 3 में भी अक्षय कुमार हैं, जिसे लेकर बज बना हुआ है। बात करें हैवान की तो इस फिल्म में अक्षय कुमार और सैफ अली खान को साथ देखने के लिए दर्शक उत्साहित हैं। दोनों सितारे करीब 17 साल बाद एक साथ पर्दे पर नजर आएंगे।

दोनों को आखिरी बार साल 2008 में फिल्म टशन में साथ देखा गया था। बात करें हैवान की तो रिपोर्ट्स के मुताबिक अगस्त में इसकी शूटिंग शुरू हो सकती है।

साभार एजेंसी